सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अर्शदीप सिंह इतिहास रचने की दहलीज पर, इस उपलब्धि से एक विकेट दूर -पेज: 7

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के लिए उत्साहित हैं प्रभास -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 151 | सोमवार 08 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

जीएसटी में बड़े सुधारों का राज खुला: वित्त मंत्री ने कहा- पीएम मोदी के एक फोन कॉल से शुरू हुआ था काम

जीएसटी में व्यापक सुधार रातों-रात नहीं हुआ बल्कि इसकी शुरूआत माल एवं सेवा कर परिषद की पिछले साल दिसंबर में जैसलमेर में हुई बैठक से पहले ही हो गयी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को फोन कर जीएसटी को व्यवसायों के लिए...

नई दिल्ली (एजेंसी): जीएसटी में व्यापक सुधार रातों-रात नहीं हुआ बल्कि इसकी शुरूआत माल एवं सेवा कर परिषद की पिछले साल दिसंबर में जैसलमेर में हुई बैठक से पहले ही हो गयी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को फोन कर जीएसटी को व्यवसायों के लिए सुविधाजनक बनाने और दरों को युक्तिसंगत बनाने को कहा था, जिसके बाद इस पर काम तेजी से आगे बढ़ा। यह बात स्वयं सीतारमण ने बतायी है। इसके परिणामस्वरूप बेहद सरल जीएसटी प्रणाली का रास्ता साफ हुआ जिसमें कर की दरें कम हैं। इससे एक तरफ जहां कंपनियों के लिए अनुपालन का बोझ कम हुआ है वहीं रोजमर्रा के इस्तेमाल के समेत लगभग 400 वस्तुओं पर कर दरें कम हुई हैं। सीतारमण ने पीटीआई-भाषा को दिये साक्षात्कार में कहा, वास्तव में जीएसटी में व्यापक सुधारों का काम पहले ही शुरू हो चुका था। राजस्थान के जैसलमेर में हुई पिछली जीएसटी परिषद की बैठक से पहले ही, प्रधानमंत्री ने मुझे फोन करके कहा था,ह्यएक बार आप जीएसटी को देख लो, व्यवसायों के लिए सुविधाजनक बनाओ और दरों पर इतने सारे भ्रम की स्थिति क्यों है? मुझे लगता है कि नौ महीने पहले हुई जैसलमेर बैठक से पहले की बात है।" उन्होंने कहा, फिर, बजट के दौरान, जब हम आयकर उपायों पर चर्चा कर रहे थे, तो उन्होंने मुझे (प्रधानमंत्री) याद दिलाया कि ह्यआप जीएसटी के ऊपर काम कर रही हैं न।' यह एक चीज थी।" सीतारमण ने कहा, दूसरा, मंत्री समूह (जीओएम) डेढ़ साल से काम कर रहे थे और मैं उनमें से प्रत्येक की सराहना करती हूं कि उन्होंने रिपोर्ट तैयार करने के लिए बहुत मेहनत की और उनके सुझाव सामने आए। उन्होंने कहा, लेकिन प्रधानमंत्री की बात सुनने के बाद मैंने यह निर्णय लिया कि अब समय आ गया है कि हम जीएसटी के सभी पहलुओं की गहन समीक्षा करें, न केवल दरों की, न केवल स्लैब की संख्या की, बल्कि इस दृष्टिकोण से भी देखें कि एक व्यवसाय, लघु या मझोले व्यवसाय के लिए यह कितना और बेहतर होगा" वित्त मंत्री ने कहा, हमने इन सब बातों पर गौर किया। वस्तुओं के वर्गीकरण को देखा जिससे काफी भ्रम पैदा हो रहा था... फिर, स्वभाविक रूप से दर पर भी गौर किया। एक फरवरी, 2025 से लेकर लगभग 15 मई तक हम इसकी अध्ययन समीक्षा आदि का काम करते रहे।"सीतारमण ने कहा, मई के मध्य में... मैं प्रधानमंत्री के पास गयी, उन्हें जानकारी दी और बताया कि हम कदम उठाने के करीब हैं। यह एक प्रस्ताव का रूप ले सकता है और उनसे समय देने का अनुरोध किया। उसके बाद उन्होंने कहा कि आप देखिये इसे कैसे जीएसटी परिषद में ले जा सकती हैं।" उन्होंने कहा, फिर मैं टीम के साथ बैठी और तय किया कि यह केंद्र का प्रस्ताव होगा, जो जीओएम को भेजा जाएगा, क्योंकि जीओएम में राज्यों के मंत्री हैं। मैं वहां नहीं हूं। वास्तव में हम चाहते थे कि यह स्पष्ट हो जाए कि हम जीओएम द्वारा किए गए सभी कार्यों का सम्मान करते हैं। लेकिन यहां एक प्रस्ताव विशेष रूप से केंद्र की ओर से आ रहा है, जो परिषद में एक-तिहाई भागीदार है।"वित्त मंत्री ने कहा, नियमानुसार, हमने मंत्री समूहों को प्रस्ताव दिया और मंत्री समूहों ने उस पर विचार करना शुरू कर दिया। इस बीच, और उससे भी पहले, जैसलमेर में, वित्त राज्यमंत्री को क्षतिपूर्ति उपकर पर गठित मंत्री समूह का चेयरमैन बनाया गया था और वह उस पर विचार कर रहे थे।

श्रेय लेने की दौड़ में नहीं, मुख्यमंत्री के साथ टीम की तरह काम कर रहे हैं: उपमुख्यमंत्री शिंदे

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति सहयोगियों के बीच काम का श्रेय लेने की कोई होड़ नहीं है और वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ एक टीम की तरह काम कर रहे हैं। शिंदे ने यह टिप्पणी शनिवार को प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित पूरे पेज के विज्ञापनों पर पूछे गए सवाल के जवाब में की। इन विज्ञापनों में केवल मुख्यमंत्री फडणवीस को दिखाया गया था। एक विज्ञापन में फडणवीस को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिखाया गया था, जबकि दूसरे विज्ञापन में उन्हें दस दिवसीय गणपति उत्सव के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भगवान गणेश की पूजा करते हुए दिखाया गया था। दोनों विज्ञापनों के नीचे मराठी में देवभाऊ लिखा हुआ था। हालांकि यह पता नहीं चल सका कि ये विज्ञापन किसने दिए। शनिवार को ठाणे में एक सार्वजनिक समारोह से इतर पत्रकारों ने शिंदे से प्रश्न किया कि क्या ये विज्ञापन मुख्यमंत्री फडणवीस की खुद को मराठा आरक्षण के वास्तुकार के रूप में पेश करने का प्रयास है। इस पर शिंदे ने कहा, हम श्रेय लेने की होड़ में नहीं हैं...चाहे मराठा समुदाय हो या अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय, उन्हें न्याय दिलाने का काम महायुति सरकार ने किया है। इस काम की स्वीकार्यता पिछले विधानसभा चुनाव में दिख

कर्नाटक मतदाता धोखाधड़ी मामले में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा रहा निर्वाचन आयोग: खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्वाचन आयोग पर रविवार को अहम जानकारी छिपाने का आरोप लगाया और दावा किया कि यह कथित वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है। खरगे ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले फॉर्म सात में जालसाजी कर मतदाताओं को हटाने के प्रयास से संबंधित मामला ठंडा पड़ गया है क्योंकि निर्वाचन आयोग ने अब तक आरोपियों को पकड़ने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण आंकड़े साझा नहीं किये हैं। निर्वाचन आयोग ने फिलहाल इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन उसने अतीत में कांग्रेस के ऐसे सभी दावों को निराधार बताया था। खरगे ने प्रश्न किया, क्या निर्वाचन आयोग (ईसीआई) अब भाजपा का वोट चोरी का अड्डा बन गया है? उन्होंने कहा, इस घटनाक्रम को समझिए। मई 2023 के कर्नाटक चुनावों से पहले कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। फॉर्म सात में जालसाजी कर एक बेहद जटिल प्रक्रिया के जरिए हजारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिए गए। खरगे ने कहा, फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदन सामने आए जो मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का स्पष्ट प्रमाण था। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया। खरगे ने कहा, लेकिन दिक्कत यहां है: जहां आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए जरूरी दस्तावेजों का एक हिस्सा साझा किया था, वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी छिपा ली है और वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है! उन्होंने पूछा कि निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों छिपाया? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आयोग किसे बचा रहा है? भाजपा के वोट चोरी विभाग को? क्या आयोग भाजपा के दबाव में आ रहा है ताकि सीआईडी जांच को पटरी से उतारा जा सके? खरगे ने कहा कि व्यक्ति के वोट देने के अधिकार और भारतीय लोकतंत्र की रक्षा की जानी चाहिए।

हरियाणा में 1.69 लाख बाढ़ प्रभावित किसानों ने फसल नुकसान के दावे के लिए किया पंजीकरण: सैनी

पत्रकारों से बातचीत करते हुए सैनी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कुछ लोग राजनीति करते हैं। लेकिन लोगों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है।

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि राज्य में 9.96 लाख एकड़ फसल के नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति का दावा करने के लिए कुल 1.69 लाख किसानों ने वेब पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। किसानों को जलभराव और हाल ही में आई बाढ़ से हुई फसल क्षति के लिए दावा दर्ज करने में सुविधा प्रदान करने को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खुला रखा गया है। इस पोर्टल के माध्यम से किसान अपनी फसलों को हुए नुकसान का विवरण अपलोड कर सकते हैं और मुआवजे का दावा दायर कर सकते हैं। सैनी ने कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह से उन किसानों के साथ खड़ी है जो हरियाणा के कई हिस्सों में बाढ़ के कारण कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। रविवार को पंचकूला में मुख्यमंत्री ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सैनी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्यकुछ लोग राजनीति करते हैं। लेकिन लोगों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। एक सवाल के जवाब में सैनी ने कहा कि हरियाणा के निचले इलाकों में जलभराव है। उन्होंने कहा, मैंने कल कई लोगों से मुलाकात की और आज भी मैं और लोगों से मिल रहा हूं। मैंने सभी से इस प्राकृतिक आपदा का मिलकर सामना करने की अपील की है। सैनी ने कहा,ह्यह्यई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से 1,69,738 किसानों ने 9,96,701 एकड़ भूमि पंजीकृत कराई है। पोर्टल खुला है। हम किसानों के साथ हैं।

'पैगंबर मोहम्मद से दरगाह का कनेक्शन, हजरतबल में अशोह चिह्न की तोड़फोड़ पर क्या बोले किरेन रिजिजू?

श्रीनगर (एजेंसी): जम्मू कश्मीर में हजरबल दरगाह पर लगे अशोक चिह्न को तोड़ने का मामला लगातार चर्चा में है। पुलिस ने मामले पर एक्शन लेते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इसी के तहत 26 लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं, अब केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने इस कृत्य की आलोचना की है। संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू का कहना है कि हजरतबल दरगाह शांति का प्रतीक है। ऐसी जगह पर राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान बेहद निंदनीय है। क्या बोले केंद्रीय मंत्री? किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, "हजरतबल श्राइन शांति का प्रतीक है। पैगंबर मुहम्मद के अवशेष से इस दरगाह का गहरा संबंध है, जो वास्तव में विश्वास और एकता को दर्शार्ता है। मैं हजरतबल दरगाह के शिलापट पर अंकित अशोका चिह्न को तोड़ने की कड़ी निंदा करता हूं।" दरअसल किरण रिजिजू ने यह पोस्ट जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉक्टर दरक्षन अंद्राबी के ट्वीट के जवाब में लिखा था। डॉक्टर दरक्षन ने भी इसे "आतंकी हमला" करार देते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। अशोक चिह्न पर हुआ था हमला श्रीनगर में स्थित हजरतबल दरगाह के दरवाजे पर उद्घाटन स्तंभ लगा है, जिसपर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिह्न अंकित था। कुछ लोगों ने इसपर हमला करते हुए अशोक चिह्न को तोड़ दिया। इसे लेकर सियसी गलियारों में भी बहस छिड़ गई है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए वक्फ बोर्ड को खत्म करने की गुहार लगाई है। तो वहीं, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दरगाह के दरवाजे पर अशोक चिह्न लगाने पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि धार्मिक जगहों पर सरकारी चिह्नों का कोई काम नहीं है।

गुजरात में 123 डैम हाई अलर्ट पर, आईएमडी ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की दी चेतावनी

गुजरात का मानसून शुरूआती उछाल, असमान वितरण और बीच-बीच में तेज वापसी के कारण खास रहा है। जून का महीना पिछले एक दशक में सबसे ज्यादा बारिश वाला महीना रहा,

गुजरात (एजेंसी): भारतीय मौसम विभाग ने 7 से 10 सितंबर तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है। विभाग ने चेतावनी दी है कि इस दौरान समुद्र में मौसम खराब रहेगा और लहरें तेज होंगी। वहीं राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, सरदार सरोवर डैम वर्तमान में अपनी क्षमता के 91.26 प्रतिशत पर है, जिसमें 3,09,048 एमसीएफटी पानी संग्रहित है। गुजरात के कुल 206 जलाशयों में से 123 डैम हाई अलर्ट पर हैं, 20 अलर्ट पर और 14 चेतावनी स्तर पर पहुंच गए हैं। इस समय सभी जलाशयों में कुल 4,67,920 एमसीएफटी पानी है, जो कुल भंडारण क्षमता का लगभग 83.87 प्रतिशत है। वहीं पिछले 24 घंटे में गुजरात में भारी बारिश दर्ज की गई है। 1 जून से अब तक 5,598 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और 1,045 लोगों को बचाया गया है। राहत और बचाव कार्यों के लिए 12 एनडीआरएफ और 22 एसडीआरएफ की टीमें विभिन्न जिलों में तैनात हैं। इस बार गुजरात का मानसून शुरूआती उछाल, असमान वितरण और बीच-बीच में तेज वापसी के कारण खास रहा है। जून का महीना पिछले एक दशक में सबसे ज्यादा बारिश वाला महीना रहा, जब राज्य ने सिर्फ 20 दिनों में अपने पूरे सीजन के लगभग एक-तिहाई बारिश प्राप्त कर ली थी। इसमें दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। वहीं जुलाई के मध्य तक राज्य में 51-54 प्रतिशत मौसमी औसत बारिश हो चुकी थी। हालांकि, इसमें भी असमानता दिखी कच्छ में करीब 60 प्रतिशत बारिश हुई, जबकि उत्तर गुजरात में यह 50 प्रतिशत से कम रही। अगस्त तक राज्य ने 64 प्रतिशत औसत पार कर लिया था। देवभूमि द्वारका जिले में 2,000 मिमी से अधिक बारिश हुई, जो सामान्य से 135 प्रतिशत ज्यादा थी। वहीं सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ और अमरेली में 20-59 प्रतिशत तक बारिश की कमी रही। सितंबर में प्रवेश करते ही राज्य ने अपने मानसूनी लक्ष्य का लगभग 90 प्रतिशत पूरा कर लिया। दक्षिण गुजरात 94 प्रतिशत तक पहुंच गया है और पूवार्नुमान के अनुसार, इस महीने 109 प्रतिशत लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है

पंजाब में जलस्तर थोड़ा कम होने से बाढ़ की स्थिति सुधरी, दो दिनों में बारिश का कोई पूवार्नुमान नहीं लेकिन तबाही बरकरार...

पंजाब (एजेंसी): पंजाब में जलस्तर थोड़ा कम होने से बाढ़ की स्थिति सुधरी है आने वाले दो दिनों में भारी बारिश का कोई अनुमान नहीं है। हालाँकि भाखड़ा और पौंग बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़ना अभी भी चिंता का विषय है, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि अत्यधिक पानी छोड़े जाने से आगे कोई खतरा नहीं होगा। इस बीच, पिछले दो दिनों में बाढ़ से तबाह राज्य में किसी और जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन 23 जिलों के 1948 गाँवों में प्रभावित 3.84 लाख लोग अभी भी बाढ़ से हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। खड़ी फसलों के अलावा, कई लोगों ने अपने घर भी खो दिए हैं। आकाशवाणी संवाददाता की रिपोर्ट है कि पिछले गुरुवार को प्रधानमंत्री के निर्देश पर पंजाब के दौरे पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब में आई भीषण बाढ़ के लिए अवैध खनन को ज़िम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र राज्य में राहत और पुनर्वास के लिए एक अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक योजना तैयार करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को भी पूरी गंभीरता से जमीनी स्तर पर काम करना होगा। पंजाब में बाढ़ के कारण बंद स्कूल, कॉलेज मंगलवार से फिर से खुलेंगे पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने रविवार को कहा कि राज्य में बाढ़ के कारण हाल में बंद किये गए स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय नौ सितंबर से फिर से खुल जाएंगे। मंत्री ने कहा कि यदि कोई स्कूल या कॉलेज बाढ़ से प्रभावित होता है, तो उसे बंद करने का निर्णय संबंधित उपायुक्त द्वारा लिया जाएगा। पंजाब सरकार ने राज्य में दशकों की सबसे भीषण बाढ़ के मद्देनजर हाल में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों को सात सितंबर तक बंद करने का आदेश दिया था। रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में, बैंस ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी, निजी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय फिर से खुलेंगे। राज्य सरकार ने सभी 23 जिलों को बाढ़ प्रभावित घोषित कर दिया है। शुक्रवार के आंकड़ों के अनुसार, 1,902 गाँव जलमग्न हो गए हैं, 3.8 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 11.7 लाख हेक्टेयर से ज्यादा कृषि भूमि नष्ट हो गई है। कम से कम 43 लोग मारे गए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी ज़िला गुरदासपुर है, जहाँ 329 गाँव और 1.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और 40,000 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। बीएसएफ आईजी ने फिरोजपुर में बाढ़ प्रभावित सीमावर्ती गांवों का दौरा किया सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में बाढ़ प्रभावित सीमावर्ती गांवों और चौकियों का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। एक अधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बीएसएफ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पंजाब फ्रंटियर के महानिरीक्षक अतुल फुलजेले ने प्रीतम सिंह वाला, पचरियां, पल्ला मेघा, जखरावां, बस्ती रामलाल, कामलेवाला डुलचिके और किलचे गांवों का दौरा किया। बयान के अनुसार उन्होंने ग्रामीणों से भी बातचीत की और उन्हें बीएसएफ के त्वरित और निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। एसएफ द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों का दौरा करते हुए, फुलजेले ने स्थानीय लोगों से ऐसे शिविरों के माध्यम से मुफ्त चिकित्सा और पशु चिकित्सा सुविधाओं का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया, जो पंजाब सीमा से लगे क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित गांवों में अगले कुछ दिनों तक प्रतिदिन आयोजित किए जाने की योजना है। बयान में कहा गया है कि आईजी ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद बचाव और राहत कार्यों में लगे बीएसएफ जवानों के अथक प्रयासों की सराहना की। बयान में कहा गया है कि उनके दौरे से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर तैनात बीएसएफ कर्मियों का मनोबल काफी बढ़ा है। पंजाब इस समय बाढ़ आपदा का सामना कर रहा है। पंजाब बाढ़ में मृतकों की संख्या 46 हुई पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। पंजाब दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियों तथा मौसमी नालों के उफान के चलते यह स्थिति बनी है।

संपादकीय

जीएसटी में सुधार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों (जीएसटी 2.0) को राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि को 'दोहरी खुराक' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की श्रृंखला अब नहीं थमेगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथसंवाद के दौरान कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले देशवासियों को 'दोहरा धमाका' मिलेगा। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की बुधवार को हुई बैठक में अब से सिर्फ पांच और 18 फीसद की दो कर दरें रखने का फैसला किया गया जबकि विलासिता एवं अहितकर उत्पादों को 40 फीसद के दायरे में रखा गया है। जीएसटी में यह राहत 22 सितम्बर से मिलना शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों की जेब में अधिक पैसा बचे और उनका जीवन बेहतर बने। दावा किया जा रहा है कि नये सुधारों से कर प्रणाली सरल होगी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, खपत एवं वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, कारोबारी सुगमता बढ़ेगी जिससे निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद को मजबूती मिलेगी। हालांकि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने दावा किया है कि इसे लागू करने में देर हो गई है। हालांकि नये सुधारों का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन इस तरफ ध्यान जरूर खींचा जा रहा है कि जीएसटी का मौजूदा ड़िजाइन और कई दरें होनी ही नहीं चाहिए थीं। कांग्रेस का कहना है कि उसने 2019 और 2024 के लोक सभा चुनावों के अपने घोषणापत्र में तर्कसंगत कर व्यवस्था के साथ जीएसटी 2.0 की मांग की थी, लेकिन मोदी सरकार ने एक राष्ट्र, एक कर को एक राष्ट्र, नौ कर बना दिया। बहरहाल, जीएसटी में नये सुधार के खिलाफ बोलने के लिए विपक्ष के पास कुछ ज्यादा नहीं है। सच तो यह है कि विपक्ष दुविधा में है कि जीएसटी में बदलाव पर क्या कहे। कर सरलीकरण के लिहाज से ही नहीं, बल्कि ट्रंप टैरिफ के असर को कम करने के मद्देनजर भी यह सुधार जरूरी था। निर्यात मोर्चे पर भारतीय उत्पादों को ट्रंप टैरिफ के चलते झटका मिलना तय है। घरेलू मांग को मजबूत बनाए रख कर ट्रंप टैरिफ के असर को कम से कम किया जा सकता है। जीएसटी में यह सुधार यकीनन आर्थिक तकाजों को पूरा करने वाला स्वागतयोग्य कदम कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है...

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसः आखिर कब साकार होगा पूर्ण साक्षर भारत का सपना?

योगेश कुमार गोयल

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशन... दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 59वां 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना', जो संचार को बेहतर बनाने और विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। पिछले साल साक्षरता दिवस 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सामयिक : चेतावनी है अफगान में आया भूकंप

प्रमोद भार्गव

31 अगस्त, 2025 की मध्य रात्रि के बाद पूर्वी अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता के भूकंप ने त्रासदी रच दी। करीब 1400 लोग काल के गाल में समा गए और 3000 से ज्यादा लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर जलालाबाद नगर से 27 किमी. पूर्व में था। इसकी गहराई मात्र 8 से 10 किमी. थी। भूकंप से कई गांव पूरी तरह मलबे में दब कर बर्बाद हो गए। सबसे अधिक तबाही नंगरहार में हुई है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी इसे 6.0 तीव्रता का उथला भूकंप बताया है। उथले भूकंप गर्भ से भूमि की सतह पर फूटने के साथ भीषण बबार्दी का कारण बनते हैं। अफगानिस्तान में भूकंपों का आना लगा रहता है। 1998 में आए भूकंप में 7,500 लोग मारे गए थे, वहीं मार्च, 2002 में हिंदूकुश में 1000, हिंदूकुश में ही 2015 में 399, खोस्त में 2022 में 1000 और हैरात में 2023 में 6.3 तीव्रता के आए भूकंप के 2000 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

अफगानिस्तान हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला में है, जहां यूरोएशियन परत, अरेबियन परत और इंडियन परत के परस्पर टकराव से भूकंप आते हैं। यहां प्रति वर्ष 100 से ज्यादा भूकंप आते हैं, लेकिन 6.0 तीव्रता के ऊपर का भूकंप असाधारण होता है। नंगरहार और कुनार पूर्वी प्रांत पाकिस्तान सीमा पर हैं। जहां दोष रेखाएं (फॉल्ट लाइंस) सक्रिय हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते पूरे क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा भी मंडरा रहा है। इस कारण इस भूकंप से नुकसान कहीं अधिक हुआ है।

दरअसल, दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविद् की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि मानवीय हस्तक्षेप से विकराल बन जाते हैं। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार होती है। भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका रहती थी, लेकिन अब घट कर 4 साल रह गई है। भूकंपों के वैज्ञानिक आकलन से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा बढ़ी है।

जापान और फिर क्वोटो में सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं। भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। बावजूद हैरानी इस पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक ऐसी तकनीक ईजाद नहीं कर पाए हैं, जिससे भूकंप की जानकारी पहले मिल जाए।

वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गई और वे यूरेशिया परत से जा टकराई। फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकरा कर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं।

कुछ भूकंप धरती की सतह से 100 से 650 किमी. के नीचे से भी आते हैं, लेकिन इनकी तीव्रता धरती की सतह पर आते-आते कम हो जाती है, इसलिए बड़े रूप में त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। दरअसल, इतनी गहराई में धरती इतनी गर्म होती है कि एक तरह से वह द्रव रूप में बदल जाती है। इसलिए इसके झटकों का असर धरती पर कम ही दिखाई देता है। बावजूद इन

भूकंपों से ऊर्जा बड़ी मात्रा में निकलती है। धरती की इतनी गहराई से प्रगट हुआ सबसे बड़ा भूकंप 1994 में बोलिविया में रिकॉर्ड किया गया है। पृथ्वी की सतह से 600 किमी. भीतर दर्ज इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.3 मापी गई थी। इसीलिए यह मान्यता बनी है कि इतनी गहराई से चले भूकंप धरती पर तबाही मचाने में कामयाब नहीं हो सकते क्योंकि चट्टानें तरल द्रव्य के रूप में बदल जाती हैं।

मातृत्व का अपमानः बिहार की राजनीति पर असर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की माताजी के संबंध में कांग्रेस और राजद के मंच से जो अभद्र व अशालीन शब्द कहे गए, उसने न केवल राजनीतिक वातावरण को कलंकित किया है, बल्कि पूरे देश की संवेदनाओं को भी आहत किया है। भारत में माँ केवल एक परिवार की सदस्य नहीं होती, वह मातृत्व का प्रतीक है, करुणा और संस्कार की धारा है, जीवन की प्रथम शिक्षिका है। किसी भी माँ के लिए अपमानजनक टिप्पणी वस्तुतः संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। इसलिए जब किसी दल के नेता राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते प्रधानमंत्री की माताजी को अपशब्द कहते हैं, तो यह प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि हर उस भारतीय पर चोट करता है, जिसने अपनी माँ को श्रद्धा और सम्मान के उच्चतम स्थान पर रखा है, यह भारतीय संस्कृति एवं तहजीब का भी अपमान है। यही कारण है कि यह घटना केवल राजनीतिक विवाद नहीं रही, यह एक सामाजिक-नैतिक प्रश्न बन गई है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ. आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले है। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मयार्दा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने राजनीतिक मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊजार्वान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। परंतु आलोचना और अभद्रता में बहुत बड़ा अंतर है। जब राजनीतिक संवाद विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों से हटकर व्यक्तिगत और पारिवारिक अपमान तक पहुँच जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा पर आघात होता है। विपक्ष को सरकार की योजनाओं, उसकी कमियों या विफलताओं पर सवाल उठाने चाहिए, लेकिन यदि वे प्रधानमंत्री की माँ को निशाना बनाएंगे, तो जनता इसे राजनीतिक परिपक्वता की कमी, विकृत राजनीति और हताशा का प्रतीक ही मानेगी।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाली-गलौज की गई है, तब-तब यह उनके लिए सहानुभूति और समर्थन का कारण बना है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही अनेक अवसर आए, जब कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने मोदी पर अशालीन एवं अभद्र टिप्पणियां की हैं लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब सारी हदें लांघते हुए उन पर राजनीतिक छिद्रान्वेषण से हटकर व्यक्तिगत हमले कर-के, उनकी पृष्ठभूमि और उनके परिवार को लेकर अपमानजनक शब्द कह कर राजनीतिक मयार्दाओं का हनन किया है। लेकिन हर बार जनता ने इसका उत्तर मोदी के पक्ष में समर्थन देकर दिया। 2019 के आम चुनाव में भी जब अपशब्दों की बाढ़ आई, तो मोदी और भी सशक्त होकर सामने आए। जनता ने मानो यह संदेश दे दिया कि जो व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत गरिमा और पारिवारिक मयार्दा का स्वयं उत्तर नहीं देता, बल्कि मौन रहकर केवल अपने राष्ट्र विकास के कार्यों से जवाब देता है, वही उनकी सहानुभूति का अधिकारी है। यही कारण है कि मोदी पर गाली की हर चोट उनके समर्थन को और व्यापक बना देती है। मोदी को कोई भी गाली कभी भी कमजोर नही कर सकती।

भारतीय मतदाता भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह केवल तर्क और आँकड़ों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके निर्णय में संवेदनाएँ और संस्कार भी बराबरी से भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री की माता जी पर की गई टिप्पणी ने इस संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। भारतीय समाज के लिए माँ केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक भी है। इसीलिए जब माँ पर आघात हुआ, तो जनता ने इसे मोदी के परिवार का नहीं बल्कि अपने परिवार का अपमान माना। यह भावनात्मक जुड़ाव विपक्ष की रणनीति को उल्टा कर देता है और मोदी के लिए जनसमर्थन का कारण बन जाता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। एक समय राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को केवल गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। लेकिन आज कांग्रेस मोदी के खिलाफ काफी कुछ बोल चुकी हैं, कभी रावण तो कभी नीच, कातिल, शैतान, मौत का सौदागर जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया है। जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो लम्बी सूची है। चाहे सानिया हो या राहुल, चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम, खडगे और प्रियंका गांधी। इन नेताओं ने बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

बिहार के चुनावी परिदृश्य पर इस घटना का गहरा असर पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों, आर्थिक पिछड़ेपन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों में उलझी हुई है। विपक्ष अपने लिए जगह बनाने के लिए संघर्षरत है, परंतु वह जनता को कोई ठोस और विश्वसनीय विकल्प देने में असफल रहा है। ऐसे में जब उसके नेता अभद्रता पर उतर आते हैं, तो जनता का विश्वास और भी कम हो जाता है। वह सोचने लगती है कि जिन नेताओं के पास शब्दों की गरिमा और तर्क का बल नहीं है, वे शासन और प्रशासन की मयार्दा कैसे संभालेंगे? इसीलिए बिहार की जनता ऐसी अभद्रता का समर्थन नहीं करेगी और इसका सीधा असर विपक्ष की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। यह भी एक गहन प्रश्न है कि विपक्ष आखिर किस हद तक गिरेगा? क्या लोकतंत्र अब केवल गाली-गलौज और व्यक्तिगत अपमान तक सीमित रह जाएगा? क्या राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की जगह अब विकारों और अशालीनता ने ले ली है? यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। प्रधानमंत्री मोदी पर गाली-गलौज की हर घटना उनके व्यक्तित्व को और दृढ़ बनाती है। वे स्वयं बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें जितनी गालियाँ मिलेंगी, वे उतनी ही शक्ति से देश सेवा में लगेंगे। उनके इस धैर्य और संयम ने उन्हें जनता के बीच एक अलग पहचान दी है। जनता यह अनुभव करती है कि जो व्यक्ति व्यक्तिगत अपमान को भी सह लेता है, लेकिन जनता की सेवा से विचलित नहीं होता, वही सच्चा नेतृत्वकर्ता है। यही कारण है कि उनके विरोधियों की अभद्रता अंततः उन्हीं पर भारी पड़ती है। विपक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सफलता केवल आलोचना से नहीं मिलती, बल्कि वैकल्पिक नीतियों और रचनात्मक दृष्टि से मिलती है। केवल मोदी विरोध करना ही राजनीति का उद्देश्य नहीं हो सकता। जनता को चाहिए कि विपक्ष विकास की कोई ठोस योजना प्रस्तुत करे, रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारने का मार्ग दिखाए, स्वास्थ्य और किसान समस्याओं पर गंभीरता से बात करे। यदि वे यह सब नहीं कर सकते और केवल गाली-गलौज की राजनीति करेंगे, तो उनका हश्र वही होगा जो बार-बार होता आया है। जनता उन्हें नकार देगी और उनके अपशब्द मोदी के लिए समर्थन की नई ऊर्जा बनेंगे। यदि विपक्ष अपनी भाषा और व्यवहार पर संयम नहीं रखेगा, तो न केवल उसकी साख गिरेगी बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी आहत होगी।

दुकानों के सामने अतिक्रमण करने वालो पर सख्त हुआ नगर पालिका प्रशासन

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद ने अवैध कब्जा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त रूप अख्तियार कर लिया है। अधिशासी अधिकारी डॉक्टर बृजेश कुमार के निर्देशन में सदर क्षेत्र सहित नगर पालिका के सभी नालों पर बने अवैध जालों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार कई स्थानों पर मुर्गा पालन करने वालों ने नालों पर अवैध रूप से जाल डाल रखे हैं। जिससे गंदगी फैलने और जल निकासी बाधित होने की शिकायतें लगातार मिल रही थी। इस पर अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार ने संबंधित अमीन और आर आई को आदेश दिए है कि नगर में जितने भी अवैध जाल लगे हैं। उनकी सूची तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही जिन दुकानदारों ने नगर पालिका से जारी एनओसी का पालन नहीं किया है। उनके खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की तैयारी है। अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे दुकानदारों का लाइसेंस और एनओसी निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। डॉक्टर बृजेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि सोमवार सुबह 10:00 बजे तक निरीक्षण की रिपोर्ट और पत्रावली उनके समक्ष प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा है कि नगर की स्वच्छता और नियम व्यवस्था से समझौता नहीं किया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा शुभारम्भ से पहले निकाली भव्य कलश यात्रा

अमरोहा (सब का सपना):- संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा का मधुरम बैंकट हॉल पक्का बाग पर रविवार को दो बजे से पांच बजे तक आयोजन किया जा रहा है। कथा से पहले रविवार को प्रातः 10 बजे मोहल्ला कोट खंडेलवाल मंदिर से 51 कलशों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा खंडेलवाल मंदिर से प्रारंभ होकर कोट, बाजार बजरिया, मोहल्ला बटवाल, दिल्ली गेट होती हुई कथा स्थल पहुंची। कलशयात्रा में सैकड़ों शामिल हुई। सभी महिलाएं गाजे-बाजे के साथ महिलाएं नाचती गाती चल रही थी। भक्ति भाव से ओतप्रोत श्रद्धालु भजनों के साथ भगवान के जय जयकारे लगाते हुए गली बाजारों से गुजरे। इससे कलश यात्रा के मार्ग में भक्ति का वातावरण बन गया। कथा स्थल पर कथा व्यास श्री प्रेरणा ज्योति दीदी ने विधिविधान से कलश की स्थापना कर श्रीमद्भागवत कथा का अमृत बरसाया। कथा व्यास प्रेरणा ज्योति ने बताया कि भागवत कथा भगवान की भक्ति की ओर ले जाती है। भगवान की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए। कथा वाचक ने बताया कि जो प्राणी इस कथा का रसपान करता है, वह सतमार्ग पर चलने लगता है। कथा के बीच-बीच में सुंदर-सुंदर भजनों का आयोजन किया गया। भजनों को सुन श्रद्धालु भक्ति भाव से नृत्य करने लगे। इस मौके पर सुनीता खंडेलवाल, प्रियंका खंडेलवाल, माधुरी पाल, पन्ना लाल, रजत पाठक, रोहित शर्मा, समीर खंडेलवाल, नीरज अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, रूवी, मोनिका, ममता, अलका आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने किया बैठक का आयोजन

बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने को लेकर किया आक्रोश व्यक्त

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं की एक बैठक का आयोजन हसनपुर क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में संगठन के संस्थापक सदस्य रूपचंद चौहान के आवास पर किया गया। बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गया। उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि हमारे देश की सेनाओं द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से अमेरिकन राष्ट्रपति हैरान हैं। और भारत पर तरह तरह के प्रतिबंध लगाकर देश के बढ़ते स्वाभिमान को दबाना चाहते हैं। ऐसे में भारत का प्रत्येक नागरिक अपने देश के साथ खड़ा हैऔर अमेरिकन राष्ट्रपति द्वारा विश्व में बरते जाने वाले दोगले रवैए और विश्व के अनेक देशों के बीच चल रहे युद्धों के लिए और विश्व की अशांति के लिए जिम्मेदार मानकर संगठन अमेरिकन राष्ट्रपति की निंदा करता है। इस अवसर पर खड़क सिंह, सुखदेव शर्मा, ओमपाल सिंह, महिपाल सिंह, रघुवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोकदल की कार्यकर्ता सम्मेलन की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक में राष्ट्रीय लोकदल की कार्यकर्ता सम्मेलन की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने बैठक में कार्यकताओं को संबोधित किया। बैठक के दौरान वहां पर सैकड़ो की संख्या में राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। रविवार को आयोजित इस बैठक में त्रिलोक त्यागी ने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार करने की बात कही, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और स्वर्गीय अजीत सिंह के देश हित में किए गए कार्यों लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया ,इसके अलावा सम्मेलन में 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई ,वक्ताओं ने कहा कि 2027 में कोई भी दल राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के बिना सरकार नहीं बन पाएगा, त्रिलोक त्यागी ने स्पष्ट किया कि निष्क्रिय कार्यकताओं पर भी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। कांग्रेस की वोटर अधिकारी यात्रा पर त्रिलोक त्यागी ने कहा कि यह बिहार चुनाव को देखते हुए एक राजनीतिक मुद्दा है, प्रधानमंत्री की माता पर की गई टिप्पणी के बारे में उन्होंने कहा कि किसी की भी माता के बारे में किसी प्रकार की कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। बैठक के दौरान वहां पर जिला अध्यक्ष सचिन चौधरी, मनवीर चिकारा, चौधरी चंद्रपाल सिंह, अमित चौधरी और नौगावां सादात नगर पालिका अध्यक्ष पति नदीम अब्बास जैदी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

गजरौला में समाजवादी पार्टी की बैठक

बैठक में पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद का आह्वान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की बैठक को सम्बोधित करते हुए पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि पंजाब में बाढ़ से आई आपदा ने भारी क्षति पहुंचाई है, चाहे देश में किसान आन्दोलन हो या अन्य कोई आपदा हो पंजाब का किसान हमेशा देश के किसानो की मदद करता आया है और हमेशा साथ खड़ा रहा है। आज हम सबको इस आपदा की घड़ी में पंजाब के किसानों के साथ खड़े होने की जरूरत है। देश के किसान अपने पंजाब के किसानों के साथ खड़े हैं। उन्होंने इसी क्रम में जनपद अमरोहा के किसानों व समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे नकद धनराशि, राशन व मवेशियों के लिये चारे आदि की व्यवस्था करके भेजें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आपदा में भी कोई मदद नही दी जा रही है, इसलिए केन्द्र व पड़ोसी राज्यों की सरकारों को पंजाब की मदद के लिये आगे आना चाहिए, क्योंकि आपदा कभी भी कहीं भी आ सकती है इसलिए ऐसे समय में एकजुट रहने की जरूरती है। इस अवसर पर हरजीत सिंह, लोकेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह, भूरे सिंह, चरण सिंह सैनी, रोबिन सिराव, दिवाकर चौधरी, पंचम, मनीष, पंकज, अजय प्रधान, शीशपाल सिंह, अंकुश चौधरी, वंश चौधरी, नरेश मौजूद रहे।

डिडौली क्षेत्र में भाकियू शंकर द्वारा जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन

किसानो के बीच अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के मिलक कटाई गांव में लायक सिंह स्मारक इंटर कॉलेज के सभागार में मास्टर रणवीर सिंह की अध्यक्षता व प्रदेश प्रवक्ता सत्यवीर की संचालन में संगठन का जन जागरण कार्यक्रम हुआ। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि विगत सप्ताह में आई बाढ़ के कारण धनोरा हसनपुर गंगेश्वरी के किसानों की बर्बाद हुई फसलों का आकलन कराकर मुआवजा दिलाया जाए, उप निबंधक कार्यालय को नवीन तहसील भवन गुलडिया किया जाए। वर्तमान प्राइस सत्र के लिए गन्ना मूल्य 518 रुपए प्रति कुंतल चीनी मिल चलने से पहले घोषित किया जाए जिन चीनी मिलों ने गन्ना भुगतान नहीं किया है उनके गन्ना क्रय केंद्र काटकर ऐसी चीनी मिलों को दिए जाए जिन्होंने समय से गन्ना मूल्य भुगतान किया है, मध्य गंगा नहर फेस टू में 6 किलोमीटर की स्पीड से पानी छोड़ा जाए, रोडवेज डिपो अमरोहा से कैलसा,पाकबड़ा ,जोया, अतरासी ,हसनपुर ,रहरा, गजरौला ,धनोरा, नौगामा व अमरोहा का एक रूट बनाकर हर एक घंटे पर ग्रामीणों के लिए बस चलाई जाए अवैध डग्गामारी बंद कराई जाए , मुख्यमंत्री के आदेश अनुसार जिन गांवों में किस चकबंदी नहीं चाहते वहां चकबंदी नहीं कराई जाए,चकबंदी में भ्रष्टाचार को समाप्त कराया जाए चक्कालीलेट हाल्ट में कंटेनर डिपो बनाए जाने में किसानों की अधिकृत होने वाली जमीनों का मुआवजा 20 लाख रुपए प्रति बीघा दिलाया जाए। कार्यकारिणी के निर्णय पर संगठन विस्तार करते हुए मा रणवीर सिंह को जिला अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ व मोजीरामपाल को प्रचार मंत्री डिडौली क्षेत्र मनोनीत किया गया। जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कहा कि कल सोमवार दोपहर 11:00 बजे से कलेक्ट्रेट घेराव होकर धरना प्रदर्शन भूख हड़ताल करेगा जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा, जिसकी जिम्मेवारी पूर्ण रूप से शासन प्रशासन की होगी,इस दौरान कार्यक्रम में चौधरी धर्मवीर सिंह ,राकेश रतनपुर ,नरेश खारी, जगत सिंह चौहान, सतवीर सिंह, इकबाल सिंह ,सतीश पवार, कर्मवीर सिंह, वीरपाल सिंह ,सुरेश सिंह ,मदन सिंह, जितेंद्र पवार ,सुरेंद्र सिंह डॉक्टर प्रेमपाल सिंह ,विकल कुमार, राजपाल सिंह, निगम सिंह ,महिपाल सिंह, अफजल ,रवि पाल उर्फ पप्पू राधेश्याम प्रधान जी, रामचंद्र सिंह लाला ,रमेश, नजीर अली, बबीता रानी ,अशोक चौधरी जरीना बेगम आदी लोग उपस्थित रहें।

नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन ने, दो बाइक सवारो को मारी टक्कर, हायर सेंटर रेफर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन ने दो बाइक सवारो को टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार गंभीर रुप से घायल हो गये। निजी एम्बुलेंस की सहायता से दोनो घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार बताया कि गजरोला कोतवाली क्षेत्र के गांव तिगरी निवासी शिवा पुत्र रमेश, सुनील पुत्र रामदास निजी काम से चोपला जा रहे थे। गजरौला नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन ने दोनों की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों बाइक सवार गंभीर रुप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में घायलो को गजरौला के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की हालत में कोई सुधार न होने के कारण डाक्टरों ने दोनों को रेफर कर दिया गया है। जहां दोनों घायलों का उपचार चल रहा है।

13 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, जनता की शिकायतो का होगा समाधान

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने के लिए बिजली विभाग के अधिकारीगण की बैठक आहुत की गयी। आयोजित बैठक का संचलन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पॉक्सो द्वितीय, अरविन्द शुक्ला एवं ज्योति अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पूर्णकालिक सचिव, द्वारा किया गया। आयाजित बैठक में बिजली विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें, सभी को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने के निर्देशित करते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें, साथ ही साथ यही भी निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक मामलों/वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में चिन्हित कर अधिक से अधिक निस्तारण कराना भी सुनिश्चित करें। अरविन्द शुक्ला, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पॉक्सो द्वितीय एवं ज्योति चौधरी ने बिजली विभाग के कर्मचारीगण को यह भी निर्देशित किया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के दिनांक 13.09.2025 के दिन बिजली विभाग का एक शिविर लगाकर जनपद अमरोहा की जनता की छोटी छोटी शिकायतें जैसे बिजली के बिल सुधार, मीटर रीडिंग सुधार, अन्य शिकायतों का निस्तारण करना भी सुनिश्चित करें।

सुभासपा की समीक्षा बैठक में पंचायत चुनाव पर हुई चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा की मासिक समीक्षा क्षेत्र के गांव दरियापुर में ग्राम प्रधान यूनुस सैफी के आवास पर आयोजित हुई। इस दौरान मुख्य अतिथि मण्डल अध्यक्ष राजपाल सिंह ने कहा कि सुभासपा ने हमेशा जनता के हक की आवाज को बुलंद किया है। यही कारण है कि पार्टी तेजी के साथ प्रदेश की राजनीति में अपना जनाधार बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का सबसे बड़ा अवसर है और सुभासपा इसे किसी भी सूरत में हल्के में नहीं लेगी। बैठक में राजपाल सिंह ने स्पष्ट किया कि पार्टी जिला पंचायत सीट पर अपने प्रत्याशी उताकर मजबूती से चुनाव लड़ेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हई राम प्रजापति ने कहा कि पंचायत चुनाव पार्टी के लिए बड़ी परीक्षा है जिसकी तैयारी में अभी से जुट जाना होगा। उन्होंने कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी कि वे बूथ स्तर पर टीम तैयार करें। घर-घर जाकर प्रचार करें और जनता को यह बताएं कि सुभासपा ही वह विकल्प है जो जाति-धर्म से ऊपर उठकर विकास और जनता की भलाई के लिए राजनीति करती है। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि आने वाला चुनाव संगठन की एकजुटता और मेहनत से ही संभव होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर गांव-गांव में संगठन की पैठ मजबूत करें। पंचायत चुनाव के जरिए पार्टी जनता को यह संदेश देगी कि वह केवल सत्ता के लिए नहीं बल्कि जनता की सेवा और उनके विकास के लिए राजनीति करती है। समीक्षा बैठक के दौरान ग्राम प्रधान यूनुस सैफी ने गांव में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अपने निजी स्त्रोतों से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ग्रामीणों को भेंट की। इस ट्रॉली को सुभासपा नेताओं ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे बैठक में मुख्य रूप से सत्यपाल तोमर जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह मंडल अध्यक्ष, कन्हई राम प्रजापति प्रदेश उपाध्यक्ष, मनोज वर्मा मंडल उपाध्यक्ष, मोहम्मद यूनुस सैफी प्रधान, आदेश अमरोही कोषाध्यक्ष, सुरेन्द्र सिंह प्रधान, जगत सिंह गुर्जर जिला महासचिव प्रीत चौधरी, जसवीर सिंह चौहान पदम सिंह अनिल कुमार रामगोपाल जाटव अतिकुर रहमान शानू शाहरुख मोहम्मद नाजिम जितेंद्र राणा कृष्ण राणा समीर सिद्दीकी, बाबूराम पाल, सईद पहलवान जमालुद्दीन इस्लामुद्दीन शकील फकीरा नूर मोहम्मद, सुरेन्द्र सिंह प्रधान मानकजुड़ी, शुभम कुमार, मुनीमपुर , महेश कुमार नन्हेड़ा राजपूत, सलमान मुंडा, हाजी कपूर मोहम्मद यूसुफ अतीक अहमद बोरीवली नूर अहमद प्रेम प्रजापत खचेड़ू,सतबीर धर्म सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम ने समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047 का रोडमैप बनाने के लिए बनाई रणनीति

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि विकसित भारत @2047 की अवधारणना को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस मिशन में नागरिकों की सकिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुऐ एक समृद्ध, समान और वैश्विक स्तर पर सम्मानित राज्य का निर्माण किया जायेगा। इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवं पथ प्रर्दशन हेतु विजन डॉक्यूमेंट बनाया जाना प्रस्तावित है। यह विजन डॉक्यूमेंट तीन थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति एंव 12 सेक्टर कृषि एवं सम्बद्ध, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आई०टी० एवं इमर्जिंग प्रोद्योगिकी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार किया जा रहा है। इस सम्बंध में शासन के निदेर्शों के अनुसार दिनांक 08 से 13 सितंबर के मध्य शासन द्वारा नामित प्रबुद्धजनों एवं नोडल अधिकारी का जनपद मे भ्रमण प्रस्तावित है। "समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047" अभियान की जन-जागरूकता हेतु विभिन्न लक्षित समूहो (छात्र, शिक्षक, व्यवसायिक, उद्यमी, कृषक, स्वंय सेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया, आम जनमानस इत्यादि) के साथ विगत 08 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के सम्बंध में अवगत कराते हुऐ राज्य के विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा की जायेगी तथा उनसे फीडबैक प्राप्त किया जायेगा। अभियान की जनजागरूकता हेतु मुख्य विकास अधिकारी को जनपद स्तरीय नोडल सहित संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी नामित करते हुए उन्हें दायित्व सौंपे गये है। समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश@2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व होने के अवसर पर प्रबुद्धजनों के दो दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान समूहों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य 08 वर्षों की विकास यात्रा एवं आगे के विकास के रोडमैप पर चर्चा एवं फीडबैक प्राप्त किए जाएंगे। आमजनों की सहभागिता को जोडते हुए सूचना विभाग द्वारा स्थापित होडिंगों में बार कोड अंकित किया जाएगा। जिसमें क्यूआर कोड स्कैन कर अथवा पोर्टल https://samarthuttarpradesh. up.gov.in पर लिखकर या बोलकर अपने सुझाव दे सकते है। यह सुझाव जनपद, प्रदेश एवं देश में प्रगति लाएंगे तथा 2047 के रोडमैप बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इनसे नीतियों का निर्माण होगा। यह सुझाव पोर्टल पर आसानी से पूर्णतः निशुल्क होंगें। मूल्यवान सुझाव देने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा। इसके तहत जनपद के प्रत्येक नागरिक को पोर्टल पर सुझाव देने का अधिकार है। जिलाधिकारी ने बताया कि संवाद कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आई०ए०एस० करन सिंह चौहान, सेवानिवृत्त विशेष महानिदेशक रणजीत सिंह, आचार्य चौ०चरण सिंह वि०वि० मेरठ प्रो० मृदुल कुमार गुप्ता, सह निदेशक (सह० प्राध्यापक) सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक वि०वि० डॉ० अरविन्द कुमार, सेवानिवृत्त मुख्य कार्यकारी अभियंता राजीव शर्मा और जनपद के नोडल अधिकारी उपस्थित रहेंगे। विकसित भारत @2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस मिशन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक समृद्ध, समान और वैश्विक स्तर पर सम्मानित राज्य का निर्माण किया जाएगा। इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवं पथ प्रदर्शन हेतु एक विजन डोक्यूमेंट बनाया जाएगा। समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 पर अधिक से अधिक नागरिकों का फीडबैक प्राप्त करने हेतु पोर्टल विकसित किया गया है जिस पर क्यूआर कोड के माध्यम से फीडबैक दिया जा सकेगा। इस पोर्टल को कम्प्यूटर एवं मोबाइल के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर पोर्टल पर लाग इन किया जा सकेगा। प्रतिभागियों को विषय काज चयन कर अपना विचार प्रस्तुत करना होगा। चुनिन्दा विचारों को विकसित उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय रणनीति में शामिल किया जाएगा।

मासूम की मृत्यु के मामले में पुलिस ने फर्जी चिकित्सक को किया गिरफ्तार

जुनावई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के कुशल निर्देश में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना जुनावई पुलिस ने फर्जी चिकित्सक को गिरफ्तार किया है, जिस पर गलत दवाइयाँ देने और लापरवाही से उपचार करने के कारण एक मासूम बच्ची की मृत्यु का आरोप है। पुलिस के मुताबिक थाना जुनावई क्षेत्र के ग्राम मेड़ोली निवासी पूजा पत्नी धर्मवीर ने तहरीर देकर शिकायत दर्ज की थी। शिकायत में बताया गया कि अभियुक्त अनिल पुत्र रघुवीर सिंह, निवासी वंशीवाली गली, कस्बा व थाना बबराला ने गलत दवाइयाँ दीं और सही तरीके से उपचार नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी पुत्री की मृत्यु हो गई। इस शिकायत के आधार पर थाना जुनावई में सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 सितंबर को इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट के तहत अभियुक्त अनिल को रिवाड़ा मोड़ हनुमान मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त पर पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने पूजा अर्चना कर पुलिस चौकी का किया लोकार्पण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने, पीड़ितों को त्वरित न्याय सुनिश्चित करने और जनता की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से थाना बहजोई के अंतर्गत ग्राम मझोला में शनिवार को नवनिर्मित पुलिस चौकी शहीद भगत सिंह का उद्घाटन किया गया । इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिलाधिकारी संभल,राजेंद्र पैंसिया, और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने विधिवत पूजा-अर्चना कर पुलिस चौकी का लोकार्पण किया। उद्घाटन समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी)अनुकृति शर्मा, क्षेत्राधिकारी बहजोई,आलोक सिद्धू, सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, उपस्थित रहे। इस नई पुलिस चौकी के स्थापना से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच बढ़ेगी, जिससे आम जनता को त्वरित सहायता और सुरक्षा मिल सकेगी।जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने इस अवसर पर कहा, यह पुलिस चौकी न केवल अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, बल्कि स्थानीय लोगों के बीच पुलिस और प्रशासन के प्रति विश्वास को भी बढ़ाएगी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह चौकी क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। यह नई पुलिस चौकी ग्राम मझोला और आसपास के क्षेत्रों में अपराध की रोकथाम और त्वरित कार्रवाई में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

यूपी-112 पुलिस ने आठ वर्षीय बच्चे को तलाश कर परिजनों से मिलाया

सम्भल (सब का सपना):- थाना नखासा क्षेत्र में यूपी-112 पुलिस ने एक 8 वर्षीय बच्चे को तलाश कर उसके परिजनों से मिला दिया रविवार को इण्डियन पेट्रोल पंप के कर्मी धर्मवीर, निवासी ग्राम सिंहपुर साहनी, थाना नखासा, ने सूचना दी कि एक 8 वर्षीय बच्चा रो रहा है। और अपना घर का रास्ता भूल गया है। उसे पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही यूपी-112 पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटनास्थल ग्राम सिंहपुर साहनी, पेट्रोल पंप के पास पहुंची। वहां एक 8 वर्षीय बच्चा जोर-जोर से रो रहा था और अपना घर का पता नहीं बता पा रहा था। पीआरवी कर्मियों ने तुरंत थाना नखासा कंट्रोल रूम, जनपद सम्भल को सूचित किया। कंट्रोल रूम ने जनपद के सभी थानों को बच्चे की जानकारी प्रसारित की। पीआरवी कर्मियों ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए बच्चे को साथ लिया और आसपास के गांवों में उसके परिजनों की तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद बच्चे के पिता नईम, पुत्र जरीफ, निवासी मौहल्ला खग्गू सराय, थाना रायसत्ती, मिले। नईम ने बच्चे का नाम हसन अमीर बताया और कहा कि वह अपनी नानी के घर माता-पिता के साथ रह रहा था। मां की डांट से नाराज होकर वह घर से निकल गया था, जिसके बाद परिजन उसे तलाश रहे थे। पीआरवी कर्मियों ने बच्चे को उसके पिता नईम को सुरक्षित सौंप दिया। इस कार्यवाही में कांस्टेबल उमेश चंद, हेड कांस्टेबल रविंद्र कुमार, कांस्टेबल अमन चौधरी और कांस्टेबल सूरज सिंह शामिल थे। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी)नोडल अधिकारी यूपी-112 अनुकृति शर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन बहजोई सन्तोष कुमार के कुशल निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक यूपी-112 रजनीश कुमार के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। हसन अमीर के परिजनों ने पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने भी यूपी-112 पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की भूरि-भूरि प्रशंसा की, जिसने उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि को और गौरवान्वित किया।

गणेश विसर्जन के दौरान भक्तों ने नम आंखों से दी बप्पा को विदाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- नगर में गणेश चतुर्थी का पर्व शनिवार को पूरे धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित गणेश पंडालों में भक्तों ने पूजा-अर्चना, हवन और भक्ति भजनों के साथ गणपति बप्पा की आराधना की। गणेश चतुर्थी के समापन पर आयोजित भव्य विसर्जन जुलूस ने पूरे नगर को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। भक्तों ने नम आंखों के साथ अपने आराध्य गणपति बप्पा को विदाई दी, साथ ही अगले वर्ष उनके शीघ्र आगमन की प्रार्थना की। विसर्जन के दिन सुबह से ही पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी पंडालों में विधि-विधान के साथ हवन और आरती के बाद गणेश जी की मूर्तियों को विसर्जन के लिए तैयार किया गया। इसके बाद गणपति बप्पा की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। यह जुलूस बहजोई नगर के नारायण टोला, आर्य समाज रोड, पुराना बाजार, नया बाजार, गोलागंज और इस्लामनगर चौराहे से होकर गुजरा। इस दौरान सड़कों पर भक्तों का उत्साह चरम पर था। भक्त गुलाल और पुष्पों की वर्षा करते हुए गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के नारे लगा रहे थे। ढोल-नगाड़ों और भक्ति भजनों की धुनों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और उत्साहपूर्ण बना दिया। नगर भ्रमण के बाद गणेश जी की मूर्तियों को राजघाट गंगा तट पर ले जाया गया, जहां पूरे विधि-विधान के साथ उनका विसर्जन किया गया। इस दौरान भक्तों की आंखें नम थीं, लेकिन उनके दिलों में अगले वर्ष फिर से बप्पा के स्वागत की उम्मीद और उत्साह भी था। विसर्जन के समय भक्तों ने गणपति से सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। गंगा तट पर मौजूद भक्तों ने भक्ति भजनों और नारों के साथ बप्पा को विदाई दी। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में कई भक्तों और स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लक्ष्य कठेरिया, नैतिक, अनुज भगत जी, मधुर, विकास मिल, उमंग सर, अतुल भोला, कन्नू, यश नंदन, ललिया गांधी और यश कठेरिया सहित अन्य लोगों ने व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में अहम योगदान दिया।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर डीएम और एसपी ने राजघाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- क्षेत्र में अनंत चतुर्दशी पर्व के अवसर पर शनिवार को गणेश चतुर्थी के दौरान स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमाओं का राजघाट बबराला में विशेष रूप से बनाए गए कुंडों में बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ विसर्जन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने राजघाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन के लिए बनाए गए कुंडों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बड़े कुंड में स्लोव और पक्की सीढ़ियां बनवाई जाएं। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए और कहा कि घाट परिसर में दुकानों व ठेलों-खोमचों के पास डस्टबिन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही, प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह रोका जाए। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों और ठेले वालों पर जुमार्ना लगाया जाए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक तिवारी, खंड विकास अधिकारी गुन्नौर कमल कांत, खंड विकास अधिकारी जुनावई अखिलेश कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बबराला अमरेश तिवारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल देखा गया। प्रशासन ने व्यवस्थित और सुरक्षित विसर्जन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए।

मंदिर में चोरी के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के कुशल नेतृत्व में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराध व अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बहजोई पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। मंदिर से घंटे चोरी करने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार ग्राम फतेहपुर शमशोई, थाना बहजोई निवासी हेथराम माथुर पुत्र बाँके ने थाना बहजोई में तहरीर देकर सूचना दी थी कि उनके गांव के मंदिर से घंटे चोरी किए गए हैं। इस शिकायत के आधार पर थाना बहजोई में सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देश पर थाना बहजोई पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामले की गहन जांच शुरू की जिसमें रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर थाना बहजोई पुलिस ने शौकिन पुत्र नसीर, निवासी मौहल्ला वारिसनगर, थाना इस्लामनगर, जनपद बदायूं को शमशोई से मऊ कठेर-इस्लामनगर जाने वाले रास्ते के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी का सामान बरामद किया, जिसमें शामिल हैं दो मंदिर के घंटे (पीली धातु)दो चम्मच,तीन कटोरी, दो गिलास,एक थाल,एस पी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आदर्श भारतीय रामलीला समिति के नवागत अध्यक्ष का अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ ने किया स्वागत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ, हसनपुर इकाई ने आदर्श भारतीय रामलीला समिति रहरा अड्डा के नवनियुक्त अध्यक्ष जगवीर सिंह मौर्य का उनके प्रतिष्ठान पर गर्मजोशी से स्वागत किया। संगठन के हसनपुर अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में उनके साथियों ने जगवीर सिंह मौर्य को माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन जगवीर सिंह मौर्य के प्रतिष्ठान पर किया गया था, जिसमें दोनों संगठनों के सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण माहौल में एक-दूसरे को बधाई दी। रामवीर सिंह ने जगवीर सिंह मौर्य को अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में रामलीला कमेटी और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि संगठन भविष्य में सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक विकास के लिए मिलकर अच्छा काम करेंगे। नवनियुक्त रामलीला समिति के अध्यक्ष जगवीर सिंह मौर्य ने भी संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।कहा कि इस बार बाहरी कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन बहुत ही अच्छे ढंग से किया जाएगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम, करणवीर सिंह, रोशनलाल,सुरेश सिंह, कमल सिंह,नबावसैफी, संजीव कुमार,नवल किशोर राणा,गुडडु गौतम, डॉ अशोक कुमार,प्रीतम सिंह मौर्य, पप्पू सिंह,हरि सिंह, हरिओम राणा,अजय सैनी,जय मिश्रा, राकेश राणा आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का किया गया आयोजन किया

बहजोई/संभल (सब का सपनाः- विकासखंड गुन्नौर के ग्राम पंचायत रसूलपुर में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय रसूल पुर का निरीक्षण किया सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया द्वार बनवाने एवं साफ सफाई के निर्देश दिए । प्रधानाध्यापक के अतिरिक्त अन्य स्टाफ के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी द्वारा ग्राम सचिवालय के पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया पुस्तकालय में अच्छी एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें रखने के निर्देश दिए। खिड़कियों पर जाली, पेंट, डैंम प्रूफ छत, सीलन को तत्काल हटवाने के निर्देश दिए। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग,आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा भी दिव्यागों के लिए विशेष शिविर लगाया गया। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ,पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव का एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर स्वागत किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया।पेंशन एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पहले लाभार्थी को 51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी जिसको बढाकर अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को एक लाख रुपये की धनराशि दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक द्वारा विभाग से संबंधित प्रमुख योजनाओं आयुष्मान गोल्डन कार्ड, टीकाकरण, एएनसी जांच आदि के विषय में ग्रामीणों को बताया। उप निदेशक कृषि अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में जानकारी दी ।कृषि यंत्रीकरण, सोलर पम्प, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, तथा एफपीओ के गठन तथा उसके लाभ के विषय में भी बताया। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत नीति आयोग के आकांक्षात्मक ब्लॉक से संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा की तथा आशा डायरी को चेक किया तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्भवती माताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। ग्रामीणों से अनुरोध किया कि गाँव में प्रसव न कराएं। डायबिटीज एवं हाइपरटेंशन की जांच के विषय में भी जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जांच शत प्रतिशत हो। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड शत प्रतिशत बने। आईसीडीएस के पुष्टाहार वितरण एवं सैम मैम बच्चों को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने गांव को साफ स्वच्छ बनाने के लिए ग्राम वासियों को जागरूक किया तथा शासन की योजनाओं के विषय में भी जानकारी दी। जिलाधिकारी ने सभी ग्रामवासियों को अनंत चतुर्दशी की शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने गुन्नौर के महत्व के विषय में भी बताया तथा मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गुन्नौर क्षेत्र के विद्यालयों में गुन्नौर के इतिहास को भी लिखवाया जाए । जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से कहा कि आपके क्षेत्र से बहने वाली गंगा नदी एक पवित्र नदी है उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि गंगा जी की पवित्रता को बनाये रखें इसमें किसी प्रकार का प्रदूषण न हो। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो इस पर भी ध्यान रखना है। जिलाधिकारी ने एक पुष्प एवं एक पुस्तक अभियान के विषय में भी बताया तथा लोगों को जागरूक किया। जिलाधिकारी ने कहा कि लेखपाल अगर ग्राम की किसी सरकारी भूमि पर कब्जा हो तो उसको हटवाएं। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच हो उन्हें पोषण समय से मिले । डायबिटीज एवं हाइपरटेंशन की जांच भी की जाए। जिलाधिकारी ने एक पुष्प एक पुस्तक अभियान के विषय में भी जानकारी दी और उन्होंने ग्राम वासियों से कहा कि वह सभी लोग अपने घर के आगे सोख्ता बनवाएं। जिलाधिकारी ने सम्भल संवाद ऐप के विषय में भी ग्राम वासियों को बताया उन्होंने कहा कि संभल संवाद ऐप को मोबाइल में डाउनलोड करके संभल की प्रत्येक जानकारी प्राप्त की जा सकती है । पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गन्नौर अजीत कुमार राजू यादव द्वारा भी ग्राम चौपाल में शासन की प्रमुख योजनाओं के विषय में ग्राम वासियों को जानकारी प्रदान की और उन्होंने कहा कि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत आईसीडीएस विभाग के अन्तर्गत गोद भराई एवं अन्न प्राशन भी कराया गया। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, कृषि उप निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह ,जिला विकास अधिकारी राम आशीष,डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय, सहायक श्रमायुक्त सुरेन्द्र कुमार,खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर एवं रजपुरा कमल कांत एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नौकरी की तलाश में आए युवक से लूट मामले में मिली कामयाबी, जामा मस्जिद पुलिस ने एक और आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली। नौकरी की तलाश में दिल्ली आए एक युवक से मोबाइल और नकदी लूटने वाले बदमाश को जामा मस्जिद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ा गया। उसके के पास से पांच हजार नकद भी बरामद हुआ है, जिसकी पहचान लोनी गाजियाबाद के फुरकान के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उसके साथी को पहले से लूटे गए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया था। पहले लाल किला घूमने गए उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, 27 अगस्त को जामा मस्जिद थाने में एक लूट का मामला दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह और उनका मित्र नौकरी की तलाश में 26 अगस्त को दिल्ली आए थे। 27 अगस्त वह रामपुर (यूपी) जाने वाली ट्रेन पकड़ने से पहले लाल किला घूमने गए थे। दुर्गा मैदान, नेताजी सुभाष मार्ग, जामा मस्जिद के पास पहुंचे ही थे तभी दो अज्ञात लोग आए और लकड़ी की छड़ी से मारपीट कर उनसे मोबाइल और नौ हजार नकद लूट कर फरार हो गए। मोबाइल और नकद बरामद पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें संदिग्ध कैद हुए। उसके बाद सलमान को 27 अगस्त को जामा मस्जिद के उर्दू पार्क के पास गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से लूटा हुआ मोबाइल और 500 रुपये नकद बरामद हुए। सलमान वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। हालांकि अभी भी दूसरा आरोपी गिरफ्त से बाहर था। आखिरकार छह सितंबर को एक सूचना के बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पत्नी ने अपने ही पति पर लगाया देह व्यापार कराने का आरोप मामला पहुंचा सुलह समझौता केंद्र

बहजोई/ संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग महिला सेल प्रभारी अधिकारी डॉ रुकम पाल सिंह की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई। जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलर द्वारा किया गया जहां कुल 94 पत्रावली सुनकर 40 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 16 परिवार को मिलाया गया तथा 23 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। एवं 1 पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट, संगीता भार्गव,श्वेता गुप्ता सीमा आर्य कंचन महेश्वरी बबीता शर्मा तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत आदि लोग उपस्थित रहे। एक मामला थाना सम्भल का आया जहां पत्नी ने अपने पति पर देह व्यापार कराने का आरोप लगाया उसने बताया कि उसका पति सिलाई का कार्य करता है अब वो दिल्ली में किसी ठेकेदार के अंडर में कार्य कर रहा है उसे और उसके बच्चों को खर्चा नहीं देता है जिस कारण उसे देह व्यापार में लगा रखा है अब वो देह व्यापार नहीं करना चाहती हैं उसे उसका पति खर्चे को पैसे आदि दे परन्तु उसका पति नहीं आया जिस कारण समझौतावर्ता नहीं हो सकी उसके पति से फोन करके जानकारी चाही तो उसने बताया कि वो दिल्ली में है अगली तारीख को आकर अपना पक्ष रखेगा जिस कारण उसे अग्रिम तिथी दी गई। दूसरा मामला थाना असमोली का आया जहां पत्नी अपने पति के साथ न रह कर अपने मौसेरे देवर के साथ जाना चाहती हैं और उसने आरोप लगाया कि वह अपने देवर के साथ 14 वर्षों से रह रही है और उसके साथ ही रहेगी तो वहीं उसके मौसेरे देवर ने बताया कि जब जब ये अपने पति को छोड़कर मेरे पास आई है तब तब उसका पति मेरे को देख लेने की धमकी देता है अब वह अपने साथ नहीं रखना चाहता उसका समझौता भी हो चुका है। लड़की के पति के न आने के कारण वार्ता आगे नहीं बढ़ सकी पक्षकारों को अग्रिम तिथी समझौता वार्ता के लिए दी गई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की मासिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की मासिक बैठक सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी रहरा बाईपास हसनपुर में संपन्न हुई। बैठक में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। नए लोगो को भी उनके आईडी कार्ड दिए गए। वही हसनपुर में ट्रैफिक जाम व जगह-जगह अतिक्रमण पर भी ध्यान आकर्षित किया गया। वही दशहरे मेले में आरटीआई परिषद द्वारा कैंप लगाकर लगाया जाने पर भी विचार किया गया। जिससे कि लोगों में जागरूकता बढ़े, और लोगों को आरटीआई के बारे में ज्यादा से ज्यादा मालूम हो सके। बता दें कि राष्ट्रीय मानवाधिकार व आरटीआई परिषद द्वारा लोगो को समस्याओं से राहत मिलते दिख रही है, और लोग अपने आप खुद ब खुद राष्ट्रीय मानव अधिकार व आरटीआई परिषद संगठन के कामों की सराहना भी खूब कर रहे हैं। और इस संगठन में शामिल भी हो रहे हैं। बता दें कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद में ज्यादा तर अधिवक्ता शामिल हैं, जिससे कि कानून में आरटीआई की जानकारी लिखने में बेहद आसानी होती है। इस संगठन में लोग निरंतर जुड़ते जा रहे हैं। इस अवसर पर दीनदयाल यादव एडवोकेट राष्ट्रीय अध्यक्ष, टेकचंद सिंह एडवोकेट राष्ट्रीय प्रवक्ता, विजय पारछा जिला उपाध्यक्ष, नीरज शर्मा जिला अध्यक्ष, मोहित त्यागी जिला सचिव, जावेद चौधरी सह मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश, अनुपम त्यागी प्रदेश प्रभारी, गोविंद कौशिक संयुक्त सचिव, कुलभूषण सक्सेना एडवोकेट, प्रवीण अग्रवाल राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, संदीप शर्मा एडवोकेट, शंकर सिंह नगर अध्यक्ष गजरौला, राधा अग्रवाल नगर अध्यक्ष महिला मोर्चा हसनपुर, धनेश्वरी, कुलदीप त्यागी, नन्हे सिंह सैनी एडवोकेट, डॉक्टर अरुण नागर जिला कोषाध्यक्ष आदि सहित दर्जनों संगठन के लोग शामिल रहे।

वैश्य एकता मंच ने मनाया शिक्षक दिवस

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- वैश्य एकता मंच चंदौसी के तत्वथान में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम नगर के कैथल गेट स्थित बारहसैनी धर्मशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ वैश्य एकता मंच के विशेष सहयोगी क्षितिज गुप्ता, एड प्रवीण गुप्ता, विकास बून एवं मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय द्वारा किया गया। तत्पश्चात वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती कमलेश अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती जी के छायाचित्र के समीप दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। इस मौके पर मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय द्वारा कहा गया कि शिक्षक हमारे जीवन के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, परंतु जीवन को सही दिशा देने का कार्य शिक्षक करते हैं। वे न केवल हमें पुस्तकों का ज्ञान प्रदान करते हैं बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण की शिक्षा भी देते हैं। कार्यक्रम के समापन में चंदौसी इंटर कॉलेज चंदौसी के पूर्व प्रधानाचार्य शशिकांत गुप्ता द्वारा कहा गया कि वैश्य एकता मंच चंदौसी द्वारा शिक्षकगणों का सम्मान करना अत्यधिक प्रशंसनीय कार्य है। कार्यक्रम की रूपरेखा वैश्य एकता मंच के महामंत्री आकाश वार्ष्णेय व कोषाध्यक्ष दीपेश वार्ष्णेय व तुषार क्रिस्टल द्वारा व संचालन डॉक्टर दुर्गा टंडन द्वारा किया गया। इस मौके पर विशेष सहयोगी मन्नू गुप्ता मेडिकल, भास्कर गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत वार्ष्णेय, विपिन बालाजी, उपाध्यक्ष मयंक वार्ष्णेय, संगठन मंत्री डॉक्टर दिशांत गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक अभिषेक गुप्ता, प्रचार मंत्री अभिनव वार्ष्णेय, मंत्री सुमित वार्ष्णेय, मोहित बंसल, सचिन कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

भारतीय मानव कल्याण समिति ने राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया सम्मानित

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- भारतीय मानव कल्याण समिति के तत्वाधान में विनायक मार्ग स्थित भोलेनाथ वाटिका में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर शिक्षक - शिक्षिकाओं को शॉल, माला एवम प्रतीक चिन्ह के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियो द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवम पुष्पार्चन के साथ किया।सम्मानित होने वालों में डॉ डीके अग्निहोत्री, दिनेश पाल सिंह, बृजेन्द्र प्रसाद तिवारी, विपिन वार्ष्णेय बालाजी, सूर्यजीत सिंह, डॉ दुर्गा टंडन, गुंजन मेहरोत्रा, राजेश कुमार, बबिता गुप्ता, दुर्गेश्वरी, संगीता सिंह, अनुज उपाध्याय, डॉ नीलम वार्ष्णेय, अभिषेक गुप्ता, गुंजन मेहरोत्रा, राजवीर सिंह सहित 21 शिक्षक-शिक्षिकाएँ रहे। भारतीय मानव कल्याण समिति के प्रबन्धक डॉ टीएस पाल ने कहा हर साल 5 सितंबर को एक अद्भुत शिक्षक, दार्शनिक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है । यह दिन हमारे जीवन को आकार देने में शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए उनके प्रति सम्मान और प्रशंसा व्यक्त करने का दिन है। मुख्य अतिथि पार्थ होस्पिटल के चैयरमेन डॉ वीरेश कुमार सिंह कहा मुझे शिक्षक दिवस पर बोलते हुए खुशी हो रही है,जो हर साल 5 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन महान शिक्षाविद् और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन है। उनका मानना था कि "शिक्षकों को देश का सर्वश्रेष्ठ मस्तिष्क होना चाहिए।शिक्षक हमारे दूसरे माता-पिता होते हैं, जो हमें पढ़ाई और जीवन में मार्गदर्शन देते हैं। वे हमें प्रेरित करते हैं, कठिन समय में हमारा साथ देते हैं और महत्वपूर्ण मूल्य साझा करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश चंद्र गुप्ता एवं संचालन डॉ जयशंकर दुबे ने किया। इस दौरान प्रबन्धक डॉ. टी.एस. पाल, सुशील भोलेनाथ, मुकेश वार्ष्णेय, मुनेश धनगर, आकाश शर्मा, राजेश पाल, बीना वार्ष्णेय, ओम प्रकाश गुप्ता, मुनीश बाबू, बीना वार्ष्णेय, शैलेन्द्र वार्ष्णेय, हरीश कठैरिया, मनीषा, चारुल वार्ष्णेय, महिमा वार्ष्णेय, कल्लू जोशी आदि उपस्थित रहे।

आराध्या वूमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने हर्षोल्लास के साथ मनाया शिक्षक दिवस

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- आराध्या वूमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में स्पाइस फ्यूजन मुरादाबाद रोड स्थित रेस्टोरेंट में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी श्रीमान मोहित बलियान मुख्य अतिथि तथा जिला खेल शिक्षक श्री अनिल कपूर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पूनम अरोड़ा जी ने कहा हम शिक्षिकाओं को सम्मानित करके अत्यंत गौरव का अनुभव कर रहे एवं महिलाएं हैं जिन्होंने समाज में शिक्षा की ज्योत जलाई है संचालन कर रही सचिव डॉक्टर दुर्गा टंडन ने कहा शिक्षक राष्ट्र की नींव है इसके सम्मान से ही राष्ट्र व समाज समृद्ध बनता है ।जिस समाज में गुरु का मान नहीं वहां भविष्य उज्जवल नहीं।आज हम सब अपने जीवन के उस ऋणी को नमन कर रहे हैं, जिसने हमें अक्षर ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाई। गुरु के बिना मनुष्य अपूर्ण है। गुरु सिर्फ कक्षा में पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह है जो हमें सही राह दिखाता है और हमारे चरित्र की नींव रखता है। आज जब समाज में मूल्य और संस्कार की आवश्यकता है, तब गुरु का महत्व और भी बढ़ जाता है। गुरु का सम्मान करना मात्र परंपरा नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ सेवाएँ प्रदान करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। उनके निरंतर प्रयासों और समर्पण को समाज के लिए प्रेरणा बताया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों का सम्मान प्रतीक चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। उपस्थित जनों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज में शिक्षा व संस्कार के प्रसार हेतु प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के अंत में जलपान हुआ एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूनम अरोरा ,दुर्गा टंडन ,अनु गांधी , कीर्ति महरोत्रा, मीनू आहूजा, अभिषेक गुप्ता, अनिल कपूर, नमिता चौधरी , प्रतिज्ञा वार्ष्णेय, नीलम अरोरा, रीता सिंह, नीलिमा वाष्णेय , सिल्की साहनी, काजल मल्होत्रा आदि उपस्थित रहे।

महिला सेल प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह व महिला थाना प्रभारी रेनू का किया गया स्वागत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- शनिवार को स्थानीय काउंसलर टीम ने महिला सेल प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह और महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रेनू का स्वागत किया। इस अवसर पर काउंसलिंग की प्रक्रिया और इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। स्वागत समारोह में काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, संगीता भार्गव, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी, बबीता शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। चर्चा के दौरान काउंसलर टीम ने महिला सशक्तिकरण, घरेलू हिंसा, और अन्य महिला-संबंधी मुद्दों पर प्रभावी काउंसलिंग की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. रुकम पाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सेल का उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय और सहायता प्रदान करना है, जबकि इंस्पेक्टर रेनू ने महिला थाने की कार्यप्रणाली और अपराधों की रोकथाम में पुलिस की भूमिका पर प्रकाश डाला। काउंसलर अखिलेश अग्रवाल ने कहा, "यह स्वागत समारोह न केवल नए अधिकारियों का अभिनंदन है, बल्कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य काउंसलरों ने भी अपने विचार साझा किए और काउंसलिंग के माध्यम से सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में सहयोग का आश्वासन दिया।

यह आयोजन महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। काउंसलर टीम ने भविष्य में भी इस तरह के सहयोगात्मक प्रयासों को जारी रखने का संकल्प लिया।

थाने के लॉकअप में हत्या आरोपी ने दे दी अपनी जान: कंबल को उधेड़कर लोहे की जाल में फंसाया

रेवाड़ी : हरियाणा के रेवाड़ी जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या के आरोप में गिरफ्तार सुलतानपुर निवासी विनोद ने रविवार को मॉडल टाउन थाने के लॉकअप में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं दूसरा आरोपी शन्नी यादव पास में सोता रहा। इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, विनोद ने लॉकअप में दिए गए कंबल को उधेड़कर लोहे की जाल में फंदा बना आत्महत्या कर ली। जोनपुर निवासी राकेश हत्याकांड में विनोद और शन्नी को गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने दोनों को पुलिस रिमांड पर भेजा था। देर रात दोनों आरोपी मॉडल टाउन थाने के लॉकअप में रखे गए थे। इसी दौरान विनोद ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, 3 सितंबर को राकेश की उसके साथियों विनोद और शन्नी ने मिलकर हत्या कर दी थी। तीनों एक ही कमरे में रहते थे और किराए का कमरा खाली करने को लेकर विवाद हुआ था। शराब पीने के बाद दोनों आरोपियों ने मिलकर राकेश की हत्या कर दी। डीएसपी सुरेंद्र श्योराण ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी थी। लेकिन अगले ही दिन आरोपी विनोद ने लॉकअप में आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। नियमों के अनुसार, पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।लॉकअप में आरोपी की आत्महत्या ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर थाने के भीतर ऐसी स्थिति कैसे बनी और पुलिस किस हद तक लापरवाह रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक राष्ट्र-एक कर का सपना किया साकार, GST रिफॉर्म्स कर देश को दी राहत: अरविंद सैनी

डेस्कः देश की मोदी सरकार ने जी.एस.टी दरों में कमी करके जहां देश के विभिन्न वर्गों को राहत देते हुए विपक्ष को मुद्दाविहीन कर दिया है तो वहीं महंगाई को कम करने की दशा में एक बड़ी पहल की है । अहम बात ये है कि भारत पर टैरिफ लगाने को लेकर पिछले कुछ दिनों से जितना अमेरिका मुखर था, उतनी ही मुखरता से भारत के अंदर विपक्षी दल भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे थे। विपक्षी नेताओं ने अमेरिकी टैरिफ के गुब्बारे में महंगाई और बेरोजगारी की नकारात्मक हवा भर इसे और बड़ा बनाने की कोशिश की, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार ने नए जी.एस.टी रिफार्म्स से न केवल अमेरिकी टैरिफ के गुब्बारे को फोड़ा, बल्कि विपक्ष द्वारा बनाए जा रहे मंहगाई और बेरोजगारी बढ़ने के नैरेटिव को भी धराशाई कर दिया। सच तो यह है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आजादी के बाद का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार देखा है। जी.एस.टी और अब नेक्स्ट जेन जी.एस.टी सुधारों ने आम उपभोक्ताओं को राहत, व्यापारियों को सरलता और देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई दी है। यह सुधार व्यवस्था में सरलीकरण लाएगा जो व्यापार करने के माहौल को बेहतर और अधिक प्रभावी बनाएगा। हालांकि विपक्ष (खासकर कांग्रेस) मोदी सरकार के इस एतिहासिक नए जीएसटी रिफार्म्स को पचा नहीं पा रहा है और बिहार चुनाव को इससे जोड़कर दिखाना चाह रहा है। इसी चाह में कांग्रेस बीड़ी और बिहार की तुलना भी कर चुकी है। ये बात और है कि जब कांग्रेस का यह दांव उलटा पड़ गया तो केरल कांग्रेस ने ट्वीट कर इस पर माफी भी मांगी है। खैर ये कांग्रेस और विपक्षी दलों की मानसिकता बन गई है। विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में इतने अंधे हो चुके हैं कि अब उन्हें पता ही नहीं चलता कि मोदी सरकार का विरोध करते-करते कब देश का विरोध करने लग जाते हैं। ट्रंप के सुर में सुर मिलाते हुए राहुल गांधी का भारत को डेड अर्थव्यवस्था कहना इसका ताजा उदाहरण है।अमेरिकी टैरिफ लागू होने के दौरान भी भारत की बढ़ती जी.डी.पी भारत को डेड इकोनोमी कहने वालों के मुंह पर तमाचा है। इसी तरह नए जीएसटी रिफार्म्स जहां आम जनता को राहत और बचत देते दिख रहे हैं, वहीं विपक्षी पार्टियों को इसके बाद वोटों में चपत लगती दिख रही है। जीएसटी में नेक्स्ट जेन रिफॉर्म्स का तोहफा 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से मिलने जा रहा है। जीएसटी में यह सुधार माँग बढ़ाएगा, निवेश लाएगा और करोड़ों युवाओं को रोजगार देगा। मोदी सरकार के इस दावे पर देश विश्वास करता दिख रहा है कि उद्योग जगत जीएसटी दरों में कमी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचाएंगा। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने केवल वादे किए, लेकिन सुधार कभी लागू नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों को भरोसा दिया, घाटा होने पर क्षतिपूर्ति की गारंटी दी और एक राष्ट्र-एक कर का सपना साकार किया। दैनिक रोजमर्रा की कई वस्तुओं, जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, मेडिकल उपकरणों और जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दिया गया है। कपड़े, जूते, दवाइयाँ, फ्रिज-टीवी, कृषि उपकरण, घर निर्माण की सामग्री तक सब सस्ते हुए हैं। इस बदलाव से हमारे देश के युवा-युवतियों, महिलाओं, किसानों, कृषि उत्पादन, एमएसएमई क्षेत्र, उपभोक्ताओं, दुकानदारों और उद्योग चलाने वाले उद्यमियों सहित हर वर्ग को बड़ा लाभ मिलेगा। 2014 से पहले कांग्रेस की सरकारों के दौरान उपभोक्ताओं और व्यापारियों पर जितना बोझ था, चाहे वह टैक्स का हो या कागजी झंझटों का, वह 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद लगातार कम होता गया। आज भारत की अर्थव्यवस्था इतनी मजबूत स्थिति में है कि बैंक के ब्याज दरों में कमी आई है, महंगाई दर में भारी गिरावट आई है और विकास दर ऐतिहासिक ऊँचाइयों पर पहुँची है। जब पूरी दुनिया आर्थिक सुस्ती से जूझ रही है, तब भारत 7.8% की दर से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी। जीएसटी सुधारों का यह निर्णय देश को 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की ओर ले जाता दिख रहा है। वैसे इन परिस्थितियों में नए जीएसटी रिफार्म्स कर पाना आसान नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने घाटा होने पर राज्यों को क्षतिपूर्ति की गारंटी दी और एक राष्ट्र-एक कर का सपना साकार किया। रोजमर्रा की वस्तुएँ, कपड़े, जूते, दवाइयाँ, बीमा, टू-व्हीलर से लेकर फ्रिज-टीवी तक सब सस्ते हुए हैं। मेडिकल उपकरणों और जीवनरक्षक दवाओं पर टैक्स शून्य कर दिया गया है। यह सुधार माँग बढ़ाएगा, निवेश लाएगा और करोड़ों युवाओं को रोजगार देगा। आजादी के बाद पहली बार देश के टैक्स ढांचे में इतना बड़ा परिवर्तन किया गया है। व्यवस्था में सरलीकरण आएगा, जो व्यापार करने के माहौल को बेहतर और अधिक प्रभावी बनाएगा। इस बदलाव से देश के युवा-युवतियों, महिलाओं, किसानों, कृषि उत्पादन, एमएसएमई क्षेत्र, उपभोक्ताओं, दुकानदारों और उद्योग चलाने वाले उद्यमियों और हर वर्ग को बड़ा लाभ मिलेगा। 15 अगस्त को देश के प्रधानमंत्री ने देश से वादा किया था कि अब भारत रुकेगा नहीं, झुकेगा नहीं, बल्कि आगे बढ़कर बड़े कदम उठाएगा। जो क्षमता देश में अब दिखाई दे रही है, वो क्षमता 2014 से पहले नहीं थी। उस समय देश की अर्थव्यवस्था बेहद कमजोर हालत में थी। कांग्रेस के 10 वर्षों के शासन में भ्रष्टाचार तो खूब हुआ, लेकिन कोई ठोस और परिवर्तनकारी सुधार नहीं किए गए। श्रद्धेय अटल जी ने एक राष्ट्र-एक कर की परिकल्पना की थी। उस समय देश में लगभग 30-35 तरह के टैक्स, ड्यूटी और लेवीस लागू थे।

हरियाणवी जुनून: 39 साल में बनाए 7 रिकॉर्ड, अब बना रहे 215 फीट ऊंचा रावण

हरियाणा : हरियाणा के लोग अपने अजब-गजब कारनामों के लिए जाने जाते हैं। ऐसे ही हैं अंबाला के तेजेंद्र चौहान, जिन्हें रावण के सबसे ऊंचे पुतले बनाने का जुनून है। पिछले 39 सालों में उन्होंने 7 रिकॉर्ड बनाए हैं, जिनमें 5 लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और 2 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया में दर्ज हैं। तेजेंद्र चौहान अब तक इस जुनून में अपनी साढ़े 12 एकड़ जमीन तक बेच चुके हैं। बीते 10 सालों में ही उन्होंने 4 से 5 करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं। इस बार वे देश का सबसे ऊंचा 215 फीट का रावण राजस्थान के कोटा में तैयार कर रहे हैं। इससे पहले वे अंबाला, पंचकूला, चंडीगढ़, देहरादून और दिल्ली जैसे शहरों में ऊंचे रावण बना चुके हैं। लेकिन इस बार, 39 साल में पहली बार रावण के चेहरे में बदलाव किया जा रहा है। इस रावण की राजस्थानी स्टाइल की घुमावदार मूंछें होंगी। यही नहीं, पहली बार पुतले में रावण के पूरे 10 सिर लगाए जा रहे हैं। अब तक ऊंचे पुतले में एक ही सिर होता था, लेकिन कोटा के 131 साल पुराने राष्ट्रीय दशहरा मेले की परंपरा के अनुरोध पर चौहान ने इसे मंजूर किया।

1986 में शौक शुरू हुआ, फिर बन गया जुनून

बराड़ा क्षेत्र निवासी तेजेंद्र चौहान कभी अच्छे-खासे जमीनदार थे। साल 1986 में पहली बार शौक में 20 फीट ऊंचा रावण बनाया। लोगों की सराहना मिली तो अगले साल पुतले की ऊंचाई और बढ़ा दी। चौहान कहते हैं, "जब दुनिया में बुराइयां बढ़ रही हैं, तो बुराई के प्रतीक रावण का कद भी बढ़ना चाहिए।"रिकॉर्ड्स की लंबी फेहरिस्त तेजेंद्र चौहान के नाम 2011, 2013, 2014, 2015 और 2016 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज हुआ। 2009 में बराड़ा में 175 फीट, 2012 में 195 फीट, 2014 में पहली बार 200 फीट, और 2016 में 210 फीट ऊंचा रावण बनाया गया। बराड़ा के मैदान में अब जगह कम पड़ने लगी, लेकिन जब लोग रावण के साथ सेल्फी लेते हैं, तो तेजेंद्र चौहान का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है।

जल भराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए टोहाना पहुंचे सीएम सैनी, बलियाला हैड का किया निरीक्षण

टोहाना : जल भराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी टोहाना पहुंचे और उनके द्वारा टोहाना इलाके के बलियाला हैड का निरीक्षण किया गया। उसके बाद मुख्यमंत्री चांदपुर हैड का निरीक्षण करने के लिए रवाना हो गए यह सभी इलाके बाढ़ संभावित क्षेत्र हैं। इसी दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बातचीत की और कहा कि प्राकृतिक आपदा के आगे किसी का जोर नहीं चलता। भारी बारिश के चलते यह प्राकृतिक आपदा आई है। उन्होंने कहा कि पंजाब की हालात सबके सामने हैं। हरियाणा भी पंजाब की मदद कर रहा है। अब तक 80 राहत सामग्री के ट्रक हरियाणा के द्वारा पंजाब में भेजे जा चुके हैं। आज भी उन्होंने 15 ट्रक पंजाब के लिए रवाना किए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया गया है और अब तक करीब 170000 के करीब रजिस्ट्रेशन इस पोर्टल पर हो चुका है। वहीं जिन लोगों के मकान और दुकान जल भराव की चपेट में आने के कारण क्षतिग्रस्त हुए हैं, सरकार द्वारा उनकी मदद भी की जाएगी।

इससे पहले भी उनके लिए मुआवजा राशि जारी की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके मंत्री विधायक और सभी अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और रोजाना रिपोर्ट ली जा रही है सरकार आम लोगों के साथ खड़ी है।

प्रशासन की लापरवाही बन रही जलभराव की वजह, सरकार का कोई भी नुमाइंदा नहीं ले रहा सुध

चरखी दादरी: पिछले दिनों हुई बारिश की वजह से शहर के कई हिस्से डूबने की कगार पर है। जहां करीब 7 से 8 फिर पानी जमा हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी का स्तर बढ़ता जा रहा है। लेकिन प्रशासन पता नहीं कौन सी नींद में सोया हुआ है। प्रशासन और स्थानीय विधायक का दावा है कि शहर में पानी 2 घंटे में निकल जाता है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकार का कोई भी नुमाइंदा उनकी सुध लेने नहीं पहुंचा है। मकानों में दरार आ गई है, कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जमा पानी से जहरीले जीव निकलते है जिससे बच्चे और बूढ़े बीमार हो रहे है। बात करें स्वास्थ्य विभाग की तो वो खुद बीमार है क्योंकि वहां भी काफी दिन से जलभराव है। साहब ...! दिन में काम करते है और रात बैठ के निकलते है क्योंकि मकान कभी भी गिर सकता है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

नुक्सान ही नुक्सान! बहादुरगढ़ में मारुति के स्टॉकयार्ड में भरा पानी, पानी में डूबी 300 नई गाड़ियां

बहादुरगढ़ : झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में बाढ़ से हालात बेहद खराब होते जा रहे हैं। रिहायशी क्षेत्र में लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्रियों में काम बंद हो गया है। दिल्ली से सटे आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र की कई फैक्ट्रियो में चार से पांच फीट तक पानी भरा हुआ है। मारूति के स्टॉकयार्ड में खड़ी तकरीबन 300 गाड़ियां पानी में डूबी हुई हैं। उन्हे किसी भी तरह निकालना तक मुश्किल है। सात दिनों से गाड़ियां पानी में डूबी हुई है। मारूति के स्टॉकयार्ड में आल्टो से लेकर वैगनआर, विटारा, बेजा और इन्विकटो तक खड़ी हुई है। कई गाड़ियों के एयरबैग तक खुले हुए हैं और कई के ड्राईवर साईड का विंडो ग्लास भी उतरा हुआ है। नई नवेली गाड़ियो के बोनट से उपर तक पानी भरा हुआ है। आसपास की फैक्ट्रियों में काम करने वाले कामगारों ने बताया कि ये गाड़ियां स्थानीय शोरूम वालों की है। जब रात को पानी आया तो उन्होंने चैकीदार को सूचना दी लेकिन तब तक सभी गाड़ियां डूब चुकी थी और गाड़ियों के सायरन बज रहे थे। उन्होंने बताया कि फैक्ट्रियां भी बंद हैं क्योंकि पानी भरा हुआ है और फिलहाल उनके पास कोई काम नही है। वहीं फैक्ट्री एरिया के साथ लगती मुंगेशपुर ड्रेन में जिस कटाव को रोकने की जिम्मेदारी भारतीय सेना को सौंपी गई थी वो कटाव बंद कर सेना के जवान वापिस लौट गए हैं । लेकिन ड्रेन में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है जिसके कारण दूसरी जगहों से भी ड्रेन में कटाव शुरू हो गया है जिन्हे बंद करने के लिए एसडीआरएफ , नगर परिषद और सिंचाई विभाग की टीमें लगी हुई हैं।

8 सितंबर को कृष्ण बेदी के हाथों एमडब्लूबी के मंच पर पत्रकारों को आर्थिक मदद प्रदान होगी: देवी दास शारदा

चंडीगढ : मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन यमुनानगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री कृष्ण बेदी सोमवार 8 सितंबर को 3:30 बजे संगठन के महासचिव सुरेंद्र मेहता के निवास स्थान पर संगठन के दो सदस्यों को सहायता राशि के रूप में चेक वितरित करेंगे। जिला अध्यक्ष यमुनानगर देवी दास शारदा ने बताया कि मीडिया वेल बिंग एसोसिएशन समय समय पर पत्रकारों व उनके परिवारों की मदद करती रहती है। देवी दास शारदा ने बताया कि एसोसिएशन समय-समय पर मृत्यु दुर्घटना बीमा और टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी के लाभ पत्रकारों को देती रही है। प्रदेशभर में हजारों की संख्या इस संगठन के सदस्यों की है। लेकिन अब तक सभी संस्थाएं बीमा पॉलिसी के नाम पर कुछ ना कुछ शुल्क पत्रकारों से अवश्य लेती थी। लेकिन एमडब्ल्यूबी पहली ऐसी संस्था है जो किसी भी पत्रकार से किसी भी तरह के इंश्योरेंस की एवज में कोई शुल्क प्राप्त नहीं करती है। संस्था का यह कदम पत्रकारों के परिवारों के लिए सुरक्षा का आवरण तैयार करता है। कुछ समय पूर्व ही एक वरिष्ठ पत्रकार की मृत्यु के कुछ ही दिन बाद संस्था ने अपने द्वारा करवाई गई एक इंश्योरेंस पॉलिसी से उस पत्रकार के परिवार को 10 लाख रुपए की राशि ईश्योरेंस कंपनी द्वारा दिलवाई थी। शारदा ने बताया कि पत्रकारों की लगातार समय समय पर आर्थिक सहायता भी संस्था करती है। हरियाणा, चंडीगढ के दो दर्जन से अधिक पत्रकारों की अतीत में संस्था द्वारा आर्थिक मदद की गई है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी पत्रकार कल्याण के लिए कार्य करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। हरियाणा के इतिहास में भारतीय जनता पार्टी के पिछले 11 सालों के शासन में सबसे अधिक पत्रकार जगत के कल्याण हेतू कार्य किए गए हैं, जिसमें पत्रकारों की सेवानिवृति पर पेंशन लगाए जाना भी भाजपा की ही देन है।

यमुनानगर की छोरी ने इंडोनेशिया में गाड़ दिया लट्ठ, कराटे में जीता गोल्ड मेडल, कंवरपाल गुर्जर ने किया स्वागत

यमुनानगर : इंडोनेशिया में आयोजित इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल कर यमुनानगर लौटी ज्योति प्रजापत का यमुनानगर के पूर्व कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी बेटियों पर मान है। विशेष कर ज्योति प्रजापत ग्रामीण इलाके से हैं, माता-पिता के पास संसाधन नहीं होते, इसके बावजूद अपनी लड़की को इस स्तर पर ले गए।इसके लिए माता-पिता को भी बधाई। यमुनानगर में कवर पाल गुर्जर ने ज्योति प्रजापत का मुंह मीठा करवा कर स्वागत किया।

वही ज्योति प्रजापत ने बताया कि वह कॉमनवेल्थ में सिल्वर और एशिया में सिल्वर एवं ब्राउन मेडल जीत चुकी हैं। अब वह यूएसए में ओपन चैलेंज में भाग लेगी।और इसके अलावा ओलंपिक कराटे प्रतियोगिता में भी हिस्सा लेने की तैयारी में जुट चुकी है। ज्योति प्रजापत ने बताया कि शुरू में इस खेल को बढ़ावा देने के लिए सहयोग नहीं मिला, काफी दिक्कत आई, सामाजिक संस्थाओं ने सहयोग किया, पूर्व कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने सहयोग किया।

लेकिन सरकारी सहयोग नहीं मिला। क्योंकि हरियाणा में कराटे फेडरेशन नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग की की कराटे फेडरेशन की स्थापना की जाए और कराटे खिलाड़ियों का सहयोग किया जाए। बाइट ज्योति प्रजापत इंटरनेशनल कराटे खिलाड़ी ज्योति प्रजापत ने कहा कि महिलाओं को सेल्फ और फाइट दोनों कराटे सीखने चाहिए, ताकि वह किसी पर निर्भर ना रहे, और अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके।

उन्होंने बताया कि शुरू में परिवार का पापा का कम सहयोग मिला, लेकिन मम्मी का सपना था कुछ करना है, अब पूरा परिवार सपोर्ट करता है। ज्योति प्रजापत ने बताया कि शुरू में कोचिंग में भी उन्हें काफी दिक्कत आई, हालांकि अब यमुनानगर के तेजली में कराटे के लिए विशाल मेहता कोच नियुक्त किए गए हैं, लेकिन उन्होंने कोचिंग अलग-अलग स्थान पर निजी रूप से ली, जिसकी बदौलत वह आज इस मुकाम पर हैं, और आगे के लिए वह तैयारी में जुट चुकी हैं।

जीएसटी में बदलाव को लेकर बोले हुड्डा, बिहार चुनाव को लेकर की गई है घोषणा

रोहतकः रोहतक स्थित अपने आवास पर प्रेस वार्ता में बोलते हुए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जीएसटी में बदलाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार पर जमकर कटाक्ष किए हैं। उन्होंने कहा कि वोट के मुद्दे को दबाने के लिए और बिहार चुनाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 8-9 साल से जो भारी भरकम जीएसटी राज्यों से वसूला गया उसके लिए कौन जिम्मेदार है। इस जीएसटी टैक्स की वजह से प्रदेशों को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कौन करेगा। इसलिए पिछले 8-9 साल का जीएसटी टैक्स प्रदेशों को वापस किया जाना चाहिए ताकि डेवलपमेंट हो सके। साथ ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मौजूदा प्रदेश सरकार पर महिलाओं को ₹2100 देने के चुनावी वायदे को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब सभी महिलाओं को यह पैसा नहीं देना था तो फिर चुनाव में यह वायदा क्यों किया गया। उन्होंने कहा की जो वायदा लागू किया जा रहा है वह भी 1 साल बाद लागू हो रहा है। इसलिए सरकार बताएं कि पिछले एक साल का बकाया पैसा महिलाओं को कब दिया जाएगा।प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मौजूदा प्रदेश की भाजपा सरकार पर बोलते हुए कहा कि हरियाणा की कानून व्यवस्था बदहाल हो चुकी है और महिला विरुद्ध अपराध में हरियाणा नंबर एक पर है और यह रिपोर्ट होम मिनिस्ट्री की है। भूपेंद्र सिंह हुडडा ने एक बार फिर से वोट मामले को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि अगर चुनाव आयोग अपनी सभी वोटर लिस्ट ठीक होने का एफिडेविट देता है तो मैं यह सबूत दूंगा कि एक घर में 400-400 वोट बनी हुई है।

हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अदनान हर रविवार मरीजों को देखते हैं निशुल्क

अमरोहा (सब का सपना):- नगर का एक होनहार डाक्टर अदनान अनवर हड्डी रोग और जोड़ प्रत्यार्पण का विशेषग्य सभी रोगियों को निशुल्क देखकर उनको राहत पहुँचाने का काम हर रविवार को अपने घर दरबार कलां निकट गेट मुरादाबादी पर सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक करते हैं. अलीगढ़ मुस्लिम विश्विद्यालय से एम बी बी एस अलीगढ मुस्लिम विश्विद्यालय से ही एम्-एस ,अपोलो अस्पताल दिल्ली से आर्थोप्लास्टी ,अमेरिकन कालिज से संधिवातीयशास्त्र तथा एक्स रेजिडेंट अखिल भारतीय आयुरविज्ञान संस्थान नई दिल्ली रह चुके डाक्टर अदनान अनवर आजकल संभल के एक बड़े अस्पताल में अपनी सर्जरी की सेवाएं दे रहे हैं। जबकि इतवार को अमरोहा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नगर के व्यापरी शमीम अनवर के बड़े पुत्र सर्जरी में उलझे हुए रोगों का सफल इलाज कर रहे हैं उन्हों ने बताया कि उनके पास हड्डी जोड़ रोग के साथ - साथ कई ऐसे केसों का ऑपरेशन कर चुके हैं जो बहुत गंभीर हो चुके थे लेकिन ईश्वर की कृपा से सभी आपरेशन सफल हुए ।प्रत्येक इतवार को वह अपने निवास पर अमरोहा और आस पास से आये रोगियों को निशुल्क देखते हैं और उनको उचित सलाह देते हैं एक रोगी ने बताया कि उन के हाथ का प्लास्टर गलत हो गया था जिस को डाक्टर अदनान ने दोबारा आपरेशन कर के ठीक किया, एक अन्य रोगी ने बताया कि उनका एक दुर्घटना में कुल्हा टूट गया था जिस में डाक्टर ने दूसरा कुल्हा प्रत्यर्पित किया जिस से उन्हें काफी राहत मिली है उन्हों ने बताया की उन से कोई फीस नहीं ली, केवल दवाइयों का खर्च लिया गया था जबकि अन्य काई डाक्टरों ने इस आपरेशन के लिए एक लाख रूपए की फीस बताई थी। डाक्टर अदनान अनवर के पिता शमीम अनवर ने बताया कि उन्हें इस बात का संतोष है कि उनका पुत्र लोगों की पूरे मन से सेवा कर के डाक्टर धर्म को निभा रहा है पैसा कमाने के लिए उस की प्राथमिकता नहीं है ,उन्हों ने बताया कि शीघ्र ही वह एक बड़ा चिकित्सा केम्प का आयोजन करेंगें जिस में अन्य रोगों के डाक्टरों को भी बुलाया जायेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को निशुल्क इलाज मिल सके स्मरण रहे कि उनका छोटा भाई अदील अनवर भी चिकित्सा की शिक्षा प्राप्त कर रहा है वह भी समाज के लोगों की निःस्वार्थ सेवा के लिए दृण संकल्प है .

अर्शदीप सिंह इतिहास रचने की दहलीज पर, इस उपलब्धि से एक विकेट दूर

दुबई (एजेंसी)। भारत आगामी एशिया कप 2025 की तैयारी कर रहा है, जो 9 से 28 सितंबर तक दुबई में आयोजित होने वाला है। इस बीच बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 100 टी20आई विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने की दहलीज पर हैं और कुल मिलाकर, वह ऐसा करने वाले 25वें भारतीय होंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 63 टी20आई मैचों में 18.30 की औसत से 99 विकेट लिए हैं, जहां उन्होंने 8.29 की इकॉनमी से रन दिए हैं और दो बार चार विकेट लिए हैं। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/9 है, जो उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच में, श्व क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाया था।

यह तेज गेंदबाज निरंतरता का प्रतीक है जिसने अपनी लाइन, लेंथ और स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान किया है। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से अर्शदीप ने 11 मैचों में हिस्सा लिया है और 15.15 की औसत से 20 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/14 रहा है, जबकि उनका इकॉनमी रेट 7.87 का रहा है। अर्शदीप इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 5 टेस्ट मैच खेले थे। प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने कयास लगाए थे कि अर्शदीप आखिरकार अपना पहला टेस्ट मैच खेलेंगे और लाल गेंद के प्रारूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। हालांकि पहले तीन टेस्ट मैचों में टीम में जगह न मिलने के बाद उनका इंतजार जारी रहा और मैनचेस्टर में चौथे मैच से पहले उनके हाथ में चोट लगने के बाद यह उम्मीद भी धूमिल हो गई।

एशियाई वर्चस्व के लिए टीम इंडिया 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी जिसमें भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच 19 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगा। सुपर 4 चरण 20 सितंबर से शुरू होगा। ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट सुपर 4 में जाएगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। अगर भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहता है, तो उसके सभी सुपर 4 मैच दुबई में होंगे। अगर भारत दूसरे स्थान पर रहता है तो उसके सुपर 4 मुकाबलों में से एक अबू धाबी में और बाकी दो दुबई में होंगे। सुपर 4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा। दुबई फाइनल की मेजबानी करेगा, जो 28 सितंबर को निर्धारित है।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

रिजर्व खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल।

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक जीता

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने रविवार को यहां फाइनल में फ्रांस को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम को फाइनल में नीदरलैंड से 155-157 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके तुरंत बाद बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अमन सैनी और प्रथमेश फुगे के साथ मिलकर भारत को पुरुष कंपाउंड टीम के खिताबी मुकाबले में फ्रांस पर 235-233 से रोमांचक जीत दिलाई।

तीन सेट के बाद स्कोर 176-176 से बराबर था लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में अपने धैर्य बनाए रखा और फ्रांस के 57 के मुकाबले शानदार 59 का स्कोर बनाकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने फाइनल तक के अपने सफ़र में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्की पर प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

क्रिकेट के बाद धोनी की फिल्मों में जबरदस्त एंट्री, द चेज के टीजर में गोलियां चलाते आए नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान और महान विकेटकीपर बल्लेबाज अब फिल्मों में नजर आएंगे। काफी लम्बे समय से धोनी के फिल्म जगत में खबरें आ रही थी और अब धोनी की फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है। क्रिकेट के बाद अब धोनी 'द चेज' में दिखाई देंगे। माधवन द्वारा शेयर किए गए 'द चेज' के टीजर में धोनी गोलियां चलाते हुए नजर आए।

इस फिल्म का निर्देशन वासन बाला ने किया है, जिन्होंने इससे पहले आलिया भट्ट और वेदांग रैन की 'जिग्रा' का निर्देशन किया था। इस क्लिप में माधवन और धोनी काले रंग के कपड़े और धूप का चश्मा पहने, बंदूकें पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। माधवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक मिशन। दो लड़के। कमर कस लीजिए - एक रोमांचक, धमाकेदार चेज की शुरूआत। 'द चेज' का टीजर अब रिलीज़ हो गया है। वासन बाला द्वारा निर्देशित। जल्द आ रही है।'

गौर हो कि धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह IPL में ही नजर आते हैं। धोनी ने कुल 538 मैच खेले हैं जिसमें 90 टेस्ट, 350 वनडे, और 98 टी20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। धोनी ने 38.09 की औसत के साथ 6 शतकों और 33 अर्धशतकों सहित टेस्ट में 4,876 रन बनाए हैं। वनडे में उन्होंने 50.58 की औसत से कुल 10,773 रन बनाए हैं जिसमें 9 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। टी20आई में धोनी ने 37.60 की औसत और दो अर्धशतकों सहित 1,617 रन बनाए हैं। विकेटकीपिंग के मामले में धोनी ने टेस्ट में 256 कैच और 38 स्टंप्स उड़ाए हैं। वहीं वनडे मे यह आंकड़ा 321 कैचों और 123 स्टंपिंग तक जाता है। धोनी ने टी20आई में 57 कैच और 34 स्टंप्स उड़ाए हैं।

भारत और पाकिस्तान ने किया अभ्यास, एशिया कप के लिए बेताबी बढ़ी

दुबई (एजेंसी)। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे। क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमें अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रहीं।

भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था। पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के खिलाफ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच लिए और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई।

आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था। शाम की शुरुआत भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी पर कोन्स के साथ ब्रोंको ड्रिल के साथ हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितांशु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर चीयरलीडर बने।

यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं। पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं।

शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नजर रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी। इस बीच सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ़ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूर तक मारा। पुल, फ़्लैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें कभी-कभी अपनी शेप खोने पर मुंह बनाना पड़ा।

बीसीसीआई ने बनाया रिकार्ड, पांच साल में 14,627 करोड़ रुपये कमाये

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कमाई हार साल बढ़ती जा रही है। बीसीसीआई पहले ही दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है पर आईपीएल के आने के बाद उसकी कमाई और भी बढ़ी है। पिछले पांच साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो

बीसीसीआई ने 14,627 करोड़ रुपये कमाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड का बैंक बैलेंस 12 महीने पहले 20,686 करोड़ रुपये था। बीसीसीआई की संपत्ति पिछले एक साल में काफी तेजी से बढ़ी है। इसका वित्तीय आंकलन 28 सितंबर को होने वाली आम बैठक में आयेगा। साल 2024 की आम बैठक में सामने आये आंकड़े के अनुसार साल 2019 से ही बीसीसीआई की नगदी और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये पहुंची है। ये रकम राज्य क्रिकेट संघों को बांटी गई राशि से पहले थी। 'इसलिए साल 2019 से ही बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में 14,627 करोड़ रुपये की संपत्ति बनायी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष से 4,193 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसके अलावा 2019 से ही उसका जेनरल कोष भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये पहुंच गया इस प्रकार उसमें 4,082 करोड़ रुपये की बढ़त हुई है।' बीसीसीआई ने आयकर के लिए ही 3000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। बोर्ड के लिए राजस्व और भी अधिक होता पर अंतरराष्ट्रीय मैचों से प्रसारण अधिकार राशि पिछले साल के 2,524.80 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'यह कमी पिछले साल की तुलना में साल के दौरान खेले गए अंतरराष्ट्रीय घरेलू मैचों की की कम संख्या से आई है।'

पंड्या अभ्यास सत्र में 20 करोड़ की घड़ी पहनकर उतरे

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के लिए यहां पहुंचने के बाद से ही अभ्यास में लगी हुई है। भारतीय खिलाड़ियों ने यहां जमकर अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सभी की नजरें रही। लंबे समय के बाद वापसी कर रहे पंड्या यहां बदले हुए हेयर स्टाइल के साथ ही 20 करोड़ रुपये की घड़ी पहनकर उतरे जिसे देखकर सभी हैरान रह गये। पंड्या की घड़ी की कीमत एशिया कप विजेता टीम को मिलने वाली रकम से भी ज्यादा है।

इस साल टूर्नामेंट की विजेता टीम को तीन लाख अमेरिकी डॉलर यानी 2.6 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं हार्दिक पंड्या के हाथ के घड़ी की कीमत इससे करीब 10 गुना ज्यादा निकली है। तकरीबन 20 करोड़ है. जिस घड़ी को हार्दिक ने पहनी थी वो रिचर्ड मिल आरएम 27-04 है। इसकी कीमत तकरीब 2250000 अमेरिकी डॉलर है। जिस घड़ी को हार्दिक ने पहना था वो पूरी दुनिया में केवल 50 लोगों के पास ही है। इसे खास तौर पर स्पेन के महान टेनिस स्टार राफेल नडाल के लिए बनाया गया था। इस घड़ी का वजह केवल 30 ग्राम है। वहीं ये 12,000 जी फोर्स से भी ज्यादा के दबाव का सामन कर सकती है।

जोस बटलर मात्र 43 रन हैं दूर, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हासिल करेंगे बड़ी उपलब्धि

साउथेम्प्टन (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर साउथेम्प्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे वनडे से पहले अपने देश के लिए 12,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने से 43 रन दूर हैं। अगर बटलर इस मुकाम तक पहुंच जाते हैं, तो वह ऐसा करने वाले केवल सातवें अंग्रेजी बल्लेबाज होंगे। वर्तमान में 387 मैचों में बटलर ने 36.12 की औसत, 95.49 के स्ट्राइक रेट, 14 शतकों और 73 अर्द्धशतकों के साथ 11,957 रन बनाए हैं। वह इंग्लैंड के अब तक के सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में बटलर ने पिछले दो वनडे मैचों में 15 और 61 रन बनाए थे। इस साल 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बटलर ने 35.50 की औसत, 113 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट, 4 अर्धशतकों और 96 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 639 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के लिए 57 टेस्ट मैचों में बटलर ने 100 पारियों में 31.94 की औसत, 2 शतकों और 18 अर्द्धशतकों के साथ 2,907 रन बनाए हैं जिसमें 152* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी टेस्ट 2022 में आया था, लेकिन वह हमेशा से ही सीमित ओवरों के क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

उन्होंने 193 एकदिवसीय मैचों में 39.05 की औसत और 115 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 5,350 रन बनाए हैं जिसमें 11 शतक और 28 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 162* है। इसके अलावा बटलर टी20आई में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जो उनके सबसे महान सीमित ओवरों

के दिग्गजों में से एक होने की उनकी स्थिति को और पुख्ता करता है। 137 मैचों और 126 पारियों में उन्होंने 35.92 की औसत और 147.05 के स्ट्राइक रेट से 3,700 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 27 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 101* है। वह टी20आई इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के रन-स्कोरिंग चार्ट में सबसे ऊपर जो रूट हैं जिनके नाम 49.62 की औसत, 57 शतक और 114 अर्धशतकों के साथ 21,637 अंतर्राष्ट्रीय रन हैं। श्रृंखला की बात करें तो इंग्लैंड पहले ही इसे 2-0 से हार चुका है और अपने सम्मान के लिए अंतिम वनडे जीतने का लक्ष्य रखेगा।

तीसरे वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन

इंग्लैंड : जेमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक (कप्तान), जोस बटलर (विकेट कीपर), जैकब बेथेल, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन (विकेट कीपर), टेम्बा बावुमा (कप्तान), मैथ्यू ब्रीट्ज़के, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, वियान मुल्डर, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, कोडी यूसुफ, नंद्रे बर्गर

सीएएफए नेशंस कप 2025 में भारत को तीसरे स्थान के मैच में ओमान से मिलेगी कड़ी टक्कर

अपने पहले प्रयास में सीएएफए नेशंस कप के प्लेऑफ में पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम के पास सोमवार को ओमान के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में कड़ी चुनौती मिलेगी। भारतीय टीम अग्रिम पंक्ति में कमजोरी के बावजूद अपने ग्रुप में दूसरे स्थान के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की करने में सफल रही। विश्व रैंकिंग में 133वें स्थान पर काबिज भारत को अपने से 54 स्थान बेहतर टीम के खिलाफ मुकाबले में अपनी इस कमजोरी से पार पाने पर ध्यान देना होगा। यह आठ टीमों का टूर्नामेंट उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान द्वारा सह-आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ग्रुप मैच क्रमश : ताशकंद और हिसोर में खेले गए हैं। ओमान और भारत दोनों अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। उज्बेकिस्तान और ईरान की टीमें क्रमश : ग्रुप ए और बी में शीर्ष पर रहीं। ये दोनों टीमें ताशकंद में सोमवार को फाइनल मैच खेलेंगी। ओमान की टीम कागजों पर मजबूत है लेकिन भारत को हिसोर के इस मैदान पर ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच खेलने का फायदा मिलेगा। कोच खालिद जमील की देखरेख में पहली बार खेल रही भारत ने ग्रुप बी में सह मेजबान ताजिकिस्तान पर 2-1 की जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। उसे ईरान के खिलाफ 0-3 ये हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने अफगानिस्तान को गोलरहित ड्रॉ पर रोककर ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज ओमान ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर चुके उज्बेकिस्तान को 1-1 की बराबरी पर रोकने के बाद किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को एक समान 2-1 के अंतर से हराया। भारत के खिलाफ ओमान का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। साल 2000 के बादे दोनों टीमें के बीच नौ मैचों में ओमान ने छह में जीत हासिल की है जबकि तीन मैच बराबरी पर छूटे है। ओमान की टीम यहां एक नए कोच कार्लोस क्विरोज के साथ आई है। उन्होंने इससे पहले ईरान, यूएई और कतर की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन किया है। अत्यधिक अनुभवी क्विरोज ने स्पेन के शीर्ष क्लब रियल मैड्रिड और पुर्तगाल, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीमों को भी कोचिंग दी है। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने कहा कि उनकी टीम यहां सिर्फ टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि एक खास मकसद से आई है। मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमील ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी ठीक हैं और इन नतीजों के बाद सभी में सकारात्मकता है। हमें इस सकारात्मकता को अगले मैच में भी बनाए रखना होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमें एक अच्छा नतीजा मिलेगा।''

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को दूसरे टी20 में आसानी से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर की

हरारे। जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका को एकतरफा मुकाबले में हराकर सभी को हैरान कर दिया। इसी के साथ ही उसने सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। एशिया कप ठीक पहले मिली ये हार श्रीलंकाई टीम के लिए एक करारा झटका है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लंकाई टीम मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और केवल 80 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को जिम्बाब्वे ने 14.2 ओवर में ही पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसी के साथ ही जिम्बाब्वे 1-1 से सीरीज में बराबरी करने में सफल रही है। सीरीज का पहला मैच श्रीलंका ने जीतकर सीरीज में बढ़त ली थी जिसे वह बनाये नहीं रख सकी। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने जीत पर खुशी जतायी है। वहीं श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने कहा कि पावरप्ले में बहुत ज्यादा विकेट खोने से हमें हार मिली। यह पिच आसान नहीं थी पर हमारे बल्लेबाजों की भी गलती थी। कमील मिशारा ने श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 20 रन बनाये। इसके अलावा असलंका 18 और दासुन शनाका 15 ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वहीं मेजबानों की ओर से रजा ने 11 रन देकर 3 जबकि इवांस ने 15 रन देश्कर इतने ही विकेट लिए। 81 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी भी अच्छी नहीं रही और उसने भी शुरुआत में अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ब्रायन बेनेट 19 और रयान बर्ल 20 नाबाद ने चौथे विकेट के लिए 26 रन जोड़कर टीम को संभाला। ताशिंगा मुसेकिवा ने चौका मारकर टीम को जीत दिलायी।

एरिना सबालेंका लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन चैंपियन बनी, अमेरिका की अनिसिमोवा को हराया

दुबई (एजेंसी)। न्यूयॉर्क - दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। सबालेंका जब खिताब से दो अंक दूर थीं, तब उन्होंने एक ऐसा ओवरहेड स्मैश लगाया जो आसान शॉट होना चाहिए था लेकिन उन्होंने उसे नेट में उलझा दिया जिससे अनिसिमोवा को ब्रेक का मौका मिल गया। सबालेंका ने हालांकि अपना धैर्य बनाए रखा और आखिर में 6-3, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस तरह से उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ियों से मिली हार की पीड़ा भी खत्म कर दी।

सबालेंका ने जीत हासिल करने के बाद कोर्ट पर अपना रैकेट गिरा दिया और मुस्कान बिखेर दी। उन पर भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा था क्योंकि एक बार उनके मन में संदेह पैदा हो गया था। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मेरे मन में शक घर कर गया था लेकिन इसके बाद मैं पलटी और मैंने गहरी सांस ली। मैंने खुद से कहा कि चलो ठीक है ऐसा होता है। यह बीती बात है और अब अगले अंक पर ध्यान दो।'

11 वर्षों में खिताब का बचाव करने वाली पहली महिला

सबालेंका पिछले 11 वर्षों में पहली महिला खिलाड़ी बन गई है जिन्होंने अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव किया। उनसे पहले यह कारनामा सेरेना विलियम्स ने किया था। वह 2012 से लेकर 2014 तक लगातार तीन बार चैंपियन बनी थी। अमांडा को लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वह जुलाई में विंबलडन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गई थी। उस मैच में वह एक भी गेम नहीं जीत पाई थी लेकिन शनिवार को यहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अवसरों का फायदा नहीं उठा पाई।

सबालेंका कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं : अनिसिमोवा

अमेरिका की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी (अनिसिमोवा) ने सबालेंका की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं वास्तव में उनकी बहुत प्रशंसा करती हूं। वह कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं। मुझे भी मौके मिले थे लेकिन मैं उन्हें नहीं भुना सकी।' बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका ने अपनी चौथी ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपने सभी खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस जीत से वह 2006 में जस्टिन हेनिन के बाद एक सत्र में तीन प्रमुख फाइनल हारने वाली पहली महिला बनने से बच गईं।

मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी : सबालेंका

सबालेंका मेलबर्न पार्क में मैडिसन कीज से तथा रोलैंड-गैरोस में कोको गॉफ से हार गई थी। शनिवार को उनके दिमाग में इन हार की तस्वीर भी बनी हुई थी। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद, मैंने सोचा कि सही यही होगा कि इसे भूलकर आगे बढ़ जाऊं। लेकिन फिर फ्रेंच ओपन में भी यही हुआ। मैंने उन फाइनल को देखा और मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी और मुझे खुशी है कि मैं इसमें सफल रही।'

पोलार्ड ने सीपीएल में 18 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए, अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया

जमैका। यहां जारी कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल करे आक्रामक बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगा दिया। पोलार्ड ने 18 गेंदों में ही नाबाद 54 रन बना दिये। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और इतने ही छक्के लगाये। इस मैच में पोलार्ड छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। पोलार्ड ने केवल 17 गेंदों में ही अर्धशतक लगाया। यह उनका सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक रहा है। वहीं, इस लीग में अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले केविन लुईस और डेविड मिलर ने 17-17 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे। सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के के नाम है। रसेल ने 14 गेंदों में ही ये उपलब्धि हासिल की थी। जेपी डुमिनी ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। पोलार्ड ने रोमारियो शेफर्ड के अंतिम ओवर में जकर चौके छक्के लगाये।

अली गोनी को एक्ट्रेस निया शर्मा ने किया सपोर्ट

टीवी एक्टर अली गोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश उत्सव के दौरान गणपति बप्पा मोरया का जयकारा नहीं लगाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके साथ निया शर्मा और जैस्मिन भसीन भी दिखाई दे रही हैं।

इसके बाद अली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब इस मामले में निया शर्मा ने रिएक्शन देते हुए एक्टर का सपोर्ट किया है। निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अली और जैस्मिन के साथ एक फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, किसी के त्योहार का हिस्सा बनना ही अपने आप में सबसे बड़ा सम्मान है। और हम भारत में गणपति, ईद और हर त्योहार को एक जैसी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं।

जानें क्या है पूरा मामला?

मुंबई में हुए गणपति उत्सव के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन क्लिप्स में देखा गया कि जहां जैस्मिन भसीन और उनके दोस्त जोश से बप्पा के नाम के जयकारे लगा रहे हैं, वहीं अली गोनी चुपचाप एक ओर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही अली गोनी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। एक यूजर ने लिखा, इतना अनकंफर्टेबल फील हो रहा है तो आया क्यों? जैस्मिन को सोचना चाहिए। वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, जब बोलना नहीं था तो आया ही क्यों? इसके अलावा भी कई यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

डू यू वाना पार्टनर में अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर श्वेता तिवारी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है। 'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा। इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

इस इवेंट में बतौर ज्यूरी मेंबर शामिल हुईं दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। अभिनेत्री बतौर ज्यूरी मेंबर इवेंट का हिस्सा बनीं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए दीपिका ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। अपने अंदाज और स्टाइल से दीपिका ने फैंस का दिल जीत लिया है। दीपिका ने अपने फैशन सेंस और स्टाइल से न सिर्फ फैंस को दीवाना बनाया है, बल्कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का नाम भी ऊंचा किया है। दीपिका ने स्वीडिश डिजाइनर एलेन होडकवा लार्सन को मेन प्राइज प्रेजेंट किया, साथ ही सभी विनर्स को बधाई दी हैं।

दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर लॉन्च

अभिनेत्री दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर रिलीज हो गया है। खास बात यह है कि इसे वेनिस फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च किया गया। इस फिल्म से वे हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। 'हॉलीगार्ड्स' में वे इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन करती दिखाई देंगी। फिल्म में दो कबीले मानव के भविष्य को बचाने के लिए लड़ते दिखाई देंगे। इसे ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता केविन स्पेसी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डब्रैंड जैसे कलाकार भी हैं। इंस्टाग्राम पर दिशा पाटनी ने कुछ समय पहले इस हॉलीवुड फिल्म में होने की बात कही थी। तब उन्होंने इसके सेट से एक तस्वीर भी फैंस के लिए साझा की थी। इस फिल्म के अलावा दिशा के पास वेलकम 3 भी है, जिसमें बहुत सारे स्टार्स होंगे। इसके साथ ही वे प्रभास की फिल्म कल्कि के पार्ट 2 में भी दिखाई देंगी। वहीं कुछ समय पहले पता चला था कि दिशा पटानी, विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म में शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में दिशा का स्पेशल कैमियो होगा। यह पहली बार होगा जब दिशा पाटनी और शाहिद कपूर पहली बार साथ दिखाई देंगे। इस जोड़ी को साथ देखने के लिए फैंस पहले से ही उत्साहित हैं।

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के लिए उत्साहित हैं प्रभास

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वह इन दिनों अपनी नई फिल्म घाटी को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और फैंस की नजरें बस इसी पर टिकी हैं। रिलीज से एक दिन पहले सुपरस्टार प्रभास ने अनुष्का को खास शुभकामनाएं दी। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने घाटी का ट्रेलर लिंक भी अपलोड किया है और अनुष्का को बड़े ही अपनेपन से स्वीटी कहकर शुभकामनाएं दी हैं। प्रभास ने लिखा है, घाटी बहुत ही दमदार लग रही है। स्वीटी, मैं तो आपको इस ताकतवर रोल में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं! फिल्म में अनुष्का को एक्शन अवतार में देखा जाएगा।

प्रभास और अनुष्का की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में एक साथ काम किया था। अनुष्का शेट्टी इस फिल्म से करीब दो साल बाद वापसी कर रही हैं। पिछली बार वह 2023 की फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने हल्का-फुल्का किरदार निभाया था। घाटी में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म की कहानी में अनुष्का एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। यह जगरलामुदी के साथ अनुष्का की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों ने हिट फिल्म वेदम में साथ काम किया था। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी के अलावा, विक्रम प्रभु भी लीड रोल में हैं।

दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अनुष्का

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी लगभग दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अनुष्का आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म थी, जिसे पसंद किया गया था। अब अनुष्का इस बहुप्रतीक्षित फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

धड़क 2 मेरे लिए अहम फिल्म साबित हुई है

फैजाबाद जैसे छोटे से कस्बे से आने वाले साद बिलग्रामी ने टीचरी, मिमिक्री, कोरियोग्राफी, राइटिंग और कॉन्टेंट क्रिएटर के रूप में काफी काम किया, मगर खुदा हाफिज वन और टू के बाद पंचायत, गुल्लक, लूटकांड के बाद वे चर्चा में आए धड़क 2 से। यहां उनके सफर पर खास बातचीत।

साद को ऐसे मिला था काम

साद ने आगे कहा, उस समय मैं काम के लिए लगातार लोगों को मैसेज करता था। तब जिब्रान नूरानी ने मुझे आरवीसीजे में आने का मौका दिया। मैंने एंकरिंग, राइटिंग, एक्टिंग सबकुछ किया। वहां मैंने 4 साल नौकरी की। फिर मैं टीवीएफ में लेखक के रूप में जुड़ा। वहां काम करते-करते खुदा हाफिज मिल गई। घर वापसी, खुदा हाफिज 2, लूटकांड जैसे प्रोजेक्ट्स से मेरे अभिनय का सिलसिला चल निकला।

नेटफ्लिक्स का ऑफर ठुकराया

मुझे नेटफ्लिक्स की एक सीरीज ऑफर हुई थी, जो मैंने की नहीं, क्योंकि मुझे उसका रोल पसंद नहीं आया। लोगों ने मुझे कहा, तुम्हारे पास है क्या? तुम लिखते हो, छोटा-मोटा कॉन्टेंट बनाते हो? क्यों मना कर रहे हो? बीच में मुझे एक बहुत बड़े सुपर स्टार की फिल्म मिली थी, मगर मैं उस रोल के लिए भी हामी नहीं भर पाया, क्योंकि मुझे अपने रोल के बारे में पता ही नहीं था। लोगों ने तब भी मुझे पागल कहा, मगर मेरे लिए सब्र का फल मीठा साबित हुआ।

मिमिक्री करने की नसीहत दी

रिजेक्शन के दौर भी खूब आए साद की जिंदगी में। वे कहते हैं, मैं नाम नहीं बताना चाहूंगा, मगर एक जानी-मानी हस्ती ने मुझे सीधे कहा था, तुम मिमिक्री करने के लिए बने हो। कहां एक्टिंग-वेक्टिंग के चक्कर में पड़े हो। अभिनय एक कला है, जो तुम्हारे बस का नहीं है। तुमको तो बस मिमिक्री करते रहना चाहिए।

अनुराग कश्यप ने गले लगाया

उस दिन मैं टैरेस पर जाकर खूब रोया और मैंने उस बात को अपनी डायरी में लिख दिया। उसके बाद मैंने एफटीआईआई (फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) जाने का फैसला किया, क्योंकि मुझे खुद पर डाउट होने लगा था। मगर मेरे लेखक दोस्त के कहने पर मैं आरवीसीजे और टीवीएफ से जुड़ा रहा और कई वीडियोज किए। अब धड़क 2 मेरे लिए अहम फिल्म साबित हुई है। धड़क 2 के लिए तो मुझे ईशान खट्टर का मैसेज आया। अनुराग कश्यप गले मिले तो बिजॉय नंबियार से खूब तारीफ मिली। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में उनका कहना था, फिल्म के प्रीमियर के बाद सिद्धांत हमें अपने घर लेकर गए और हमारे साथ खूब नाचे, हमें खाना खिलाया। मगर इतना जरूर कहूंगा कि फिल्म में सिद्धांत पर सुसु करने वाला सीन मेरे लिए काफी अनकंफर्टेबल था।

एनिमल के बाद बदलीं तृप्ति

जहां तक तृप्ति की बात है, तो एनिमल की कामयाबी के बाद वे और ज्यादा विनम्र हो गईं। जातीय भेदभाव के मुद्दे पर वे कहते हैं, मैं लखनऊ के खैराबाद से हूं और वहां बहुत ही सेक्युलर माहौल है। मैंने कभी जातीय भेदभाव का सामना नहीं किया। हां अखबार और न्यूज चैनल में तो हम ये चीजें पढ़ते ही रहते हैं। मुझे पता चला कि 70 प्रतिशत इंडिया रूरल एरिया में बसता है और वहां आज भी ये चीजें होती हैं। फिर मेरे एक परिचित ने बताया कि निम्न जाति से होने के कारण लोग उनसे कतराते हैं, उनके साथ खाना-पीना पसंद नहीं करते। मुझे जानकर बहुत अफसोस हुआ, तब मुझे लगा कि मुझे इस तरह की मुद्दे की फिल्म जरूर करनी चाहिए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।